राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 09 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-283 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

97 वर्ष के हुए भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी

प्रधानमंत्री मोदी ने घर जाकर दी जन्म दिन की बधाई

नई दिल्ली। देश के पूर्व गृह मंत्री और भारत रत्न से सम्मानित लालकृष्ण आडवाणी शुक्रवार को 97 वर्ष के हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आडवाणी के घर जाकर उन्हें बधाई दी। वयोवृद्ध राजनेता आडवाणी को कोविंद ने पुष्पगुच्छ भेंट किया। उसके अलावा जन्मदिन का केक भी काटा गया। इस माके पर आडवाणी की बेटी प्रतिभा भी मौजूद रहीं। आडवाणी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जन्मदिन की बधाई दी। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के बाद दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री देर शाम आडवाणी से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे। लगभग आधे घंटे तक पीएम मोदी और आडवाणी की मुलाकात हुई। इसके बाद पीएम मोदी का काफिला आडवाणी के आवास से रवाना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आडवाणी से मुलाकात की। आडवाणी को भाजपा अध्यक्ष के रूप में पार्टी को राष्ट्रीय राजनीति की केंद्रीय शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आडवाणी ने देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। पीएम मोदी ने इस साल को और भी खास बताया, क्योंकि आडवाणी को राष्ट्र के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- भारत रत्न से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, आडवाणी भारत के सबसे प्रशंसित राजनेताओं में से एक हैं। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। 1990 के दशक में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन में भी आडवाणी की उल्लेखनीय भूमिका रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिए अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाले आडवाणी कई वर्षों तक राजस्थान में आरएसएस प्रचारक बने रहे। वह उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी थी।

प्रचार में महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी पर एक्शन लेगा चुनाव आयोग

मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुचित भाषा के इस्तेमाल की निंदा की

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव में प्रचार के दौरान महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी पर चुनाव आयोग सख्त एक्शन लेगा। शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार के दौरान महिला राजनीतिक नेताओं के लिए अनुचित भाषा के इस्तेमाल की निंदा की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों से ऐसी टिप्पणी करने वाले किसी भी उम्मीदवार के खिलाफ त्वरित और निर्णायक कार्रवाई करने को कहा है। चुनाव और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ एक बैठक में कुमार ने महिलाओं की गरिमा और सम्मान को कम करने वाली भाषा पर कड़ी अस्वीकृति और चिंता व्यक्त की। चुनाव आचार संहिता के अनुसार राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को ऐसे किसी भी काम, क्रियाकलाप या कथन से बचना चाहिए जो महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रतिकूल हो। कुमार ने आगे जोर देकर कहा कि उम्मीदवारों को सार्वजनिक भूमिकाओं से असंबंधित व्यक्तिगत हमलों या आलोचना से बचना चाहिए। सीईसी ने उम्मीद जताई कि चुनाव में भाग लेने वाले सभी लोग सार्वजनिक रूप से और अपने भाषणों में सम्मानजनक आचरण और भाषा का पालन करेंगे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में चौथे दिन भी हंगामा: पोस्टर लहराने की कोशिश कर रहे खुर्शीद को मार्शल ने बाहर निकाला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में चौथे दिन भी जोरदार हंगामा हुआ है। अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने आज शुक्रवार को भी 370 की बहाली से जुड़ा पोस्टर लहराने की कोशिश की। वो ऐसा कर पाते तभी विपक्षी सदस्यों ने उन्हें रोका, जिससे धक्का-मुक्की भी हुई। इसके साथ ही मार्शल ने खुर्शीद को सदन से बाहर कर दिया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में लगातार चौथे दिन भी हंगामा हुआ। विधायक खुर्शीद अहमद ने सदन में पोस्टर लहराने की कोशिश की तो विपक्ष के सदस्यों ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरु हो गई। हंगामे के बीच एक विधायक टेबल पर चढ़ा, जिसके बाद मार्शल आगे बढ़े और फिर खुर्शीद अहमद को घसीटते हुए बाहर ले जाने लगे, तभी खुर्शीद जमीन पर गिर गए। मार्शल ने खुर्शीद अहमद को सदन से बाहर ले गए। गौरतलब है कि खुर्शीद अहमद बारामूला से सांसद इंजीनियर रशीद के भाई हैं। इंजीनियर राशिद को 2016 में जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद साल 2019 से राशिद तिहाड़ जेल में बंद हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए राशिद को जमानत पर रिहा भी किया गया था। यहां शुक्रवार को सदन में खुर्शीद अहमद ने एक बार फिर पोस्टर लहराने की कोशिश की। तभी हंगामा हुआ और इसी बीच कुछ विधायक डेस्क पर भी चढ़ गए। कुछ सदस्यों के बीच हाथापाई भी हुई। इससे पहले गुरुवार को भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विधायकों के बीच जमकर हाथापाई हुई थी। सदन में हंगामे के चलते पहले विधानसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए और फिर शुक्रवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी थी।

- प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए कांग्रेस को घेरा...

कांग्रेस पहले धर्म के नाम पर लड़ाती थी अब जातियों के नाम पर लड़ा रही

धुले (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए धुले से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने महा विकास अघाड़ी सरकार और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। मोदी ने कहा कि एकता में ही सुरक्षा है, और कांग्रेस पहले धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाती थी, अब जातियों के नाम पर यही काम कर रही है। उन्होंने इसे देश के खिलाफ साजिश बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी की गाड़ी में न तो पहिए हैं, न ब्रेक, और ड्राइवर की सीट पर बैठने के लिए झगड़ा हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 के विधानसभा चुनाव में जब उन्होंने महाराष्ट्र में बीजेपी सरकार बनाने की अपील की थी, तो लोगों ने उन्हें दिल खोलकर आशीर्वाद दिया था। उन्होंने महा विकास अघाड़ी सरकार की निंदा करते हुए कहा कि इस सरकार ने पहले सत्ता और फिर जनता को लूटा।

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं को केंद्र में रखकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, और महायुति का मैनिफेस्टो विकसित भारत के लिए एक मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए महाराष्ट्र पुलिस में 25,000 महिला कांस्टेबलों की भर्ती का वादा किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी कभी भी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकती। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने दलितों और आदिवासियों को आरक्षण दिलवाने के लिए संघर्ष किया, लेकिन नेहरू और इंदिरा गांधी ने हमेशा इसे कमजोर करने की कोशिश की।

शिंदे सरकार की तारीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने शिंदे सरकार की सराहना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र अब विदेशी निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। उन्होंने धुले और पुणे में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और महाराष्ट्र का विकास तेज़ी से होगा। इसके अलावा, उन्होंने किसानों के लिए नमो शेतकरी महासम्मान निधि की राशि बढ़ाने के फैसले की सराहना की, जिससे किसानों को अधिक सहायता मिलेगी।

कांग्रेस के मंसूबे सफल नहीं होने देंगे

मोदी ने कांग्रेस को कश्मीर के मामले पर भी घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 370 के जरिए कश्मीर को देश से अलग किया था और अंबेडकर के संविधान को लागू नहीं होने दिया। उन्होंने कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने की अपनी सरकार की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के मंसूबे अब सफल नहीं होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र की जनता से महायुति को समर्थन देने की अपील की, ताकि राज्य का विकास और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मतदान 20 को परिणाम 23 को

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है, जबकि रिजल्ट 23 नवंबर को घोषित होंगे। भाजपा महायुति गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है, जिसमें बीजेपी ने 148, शिंदे गुट ने 80, और अजित गुट ने 53 उम्मीदवार उतारे हैं।

हम संविधान की रक्षा कर रहे और प्रधानमंत्री को देश तोड़ने वाली लगती हैं मेरी बात

-राहुल गांधी ने आदिवासियों और पिछड़ों के हक की वकालत करते हुए भाजपा को घेरा

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को झारखंड के ईसाई बहुल सिमडेगा से विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत की। गांधी मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मेरी बातें देश तोड़ने वाली लगती हैं, जबकि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं और दूसरे पक्ष के लोग इसे खत्म करना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि उनकी बातें प्रधानमंत्री को देश तोड़ने वाली लगती हैं, जबकि असल में देश में दो विचारधाराएं हैं - एक संविधान की रक्षा कर रही है और दूसरी इसे खत्म करने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने संविधान की रक्षा की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन संविधान को बचाने के लिए काम कर रहा है, जबकि बीजेपी और आरएसएस इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, इसमें हमारे

महापुरुषों की सोच है। यह आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों की रक्षा करता है।

आदिवासी के अधिकारों की बात

राहुल गांधी ने आदिवासियों के अधिकारों की बात करते हुए कहा कि बीजेपी और उसके समर्थक आदिवासियों को वनवासी कहते हैं, जबकि आदिवासी असल में देश के पहले निवासी हैं। उनका जल, जंगल और जमीन पर हक है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी चाहती है कि आदिवासियों को शिक्षा न मिले, उनके बच्चे डॉक्टर-इंजीनियर न बनें।

मोदी सरकार पर पक्षपात का आरोप

राहुल गांधी ने अडाणी और अंबानी के माध्यम से मोदी सरकार के पक्षपाती रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीबों की बजाय अडाणी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में काम कर रही है। उन्होंने उदाहरण दिया कि देश की 90 फीसदी आबादी में से, जो आबीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक हैं, उन वर्गों के लोग बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में नहीं होते। उनका कहना था कि अगर आदिवासी अफसर देश की सरकार में होते तो देश के बजट में उनका प्रभाव अधिक होता।

एकता और भाईचारे की बात

राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा पर हमला करते हुए कहा कि उनकी नफरत की राजनीति ने मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाएंगे और देश में एकता और भाईचारे को कायम करेंगे।

युवाओं को रोजगार वाली कांग्रेस की सात गारंटियां

राहुल गांधी ने कांग्रेस के चुनावी वादों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे एससी-एसटी का आरक्षण बढ़ाएंगे, हर व्यक्ति को 15 लाख रुपये तक का बीमा मिलेगा, और हर महीने 7 किलो राशन मिलेगा। इसके अलावा, हर जिले में स्कूल और कॉलेज बनाए जाएंगे और एक मिलियन युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। राहुल गांधी ने चुनावी सभा में आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हक की रक्षा करने का वादा किया और बीजेपी के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट किया।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के अंतिम कार्य दिवस पर सुप्रीम कोर्ट में बैठी सेरेमोनियल बेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अंतिम कार्य दिवस पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में परंपरा के मुताबिक सेरेमोनियल बेंच बैठी। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली इस सेरेमोनियल बेंच में मौजूदा और अगले मुख्य न्यायाधीश साथ में बैठकर कुछ मामलों की सुनवाई करते हैं।

इस सेरेमोनियल बेंच के समक्ष अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि उन्हें बहुत कुछ कहना है, लेकिन अचानक पता चलता है कि एक शून्य हो गया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ब्राजील में एक सम्मेलन के खत्म होने के बाद हर कोई डांस करने लगा। अगर मैं चीफ जस्टिस के रिटायरमेंट के मौके पर सभी डांस करने के लिए कहूं तो ज्यादातर लोग मेरा समर्थन करेंगे।

इस मौके पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चीफ जस्टिस को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी विदाई हमारे लिए दुखद है। आपने खुद को एक महान पिता का महान पुत्र सिद्ध किया है। मेहता ने कहा कि आपके दोनों बेटे कभी यह नहीं जान पाएंगे कि उन्होंने क्या हासिल किया और हमने क्या खोया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई मुकदमे जीते और कई मामले में सफलता नहीं मिली लेकिन इस बात की संतुष्टि है कि आपने हमारी पूरी बातें धैर्य के साथ सुनीं।

इस मौके पर जस्टिस संजीव खन्ना ने हल्के-फुलके अंदाज में कहा कि चीफ जस्टिस समोसा काफी पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि चीफ जस्टिस को दुनिया के कई जज उनके लुक की वजह से उन्हें काफी पसंद करते हैं। जस्टिस खन्ना के ये कहने के बाद कोर्ट रूम में हंसी का फव्वारा छूट पड़ा। इस मौके पर वरिष्ठ वकील और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा कि चीफ जस्टिस एक असाधारण पिता के असाधारण पुत्र हैं। आपका हमेशा मुस्कुराता हुआ चेहरा सबके लिए अनुकरणीय होगा

तिरुपति के मंदिर में लड्डुओं में कथित मिलावट की सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति के मंदिर में लड्डुओं में कथित रूप से मिलावट की सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि हम किसी धर्म के लिए अलग राज्य बनाने का आदेश नहीं दे सकते हैं। ग्लोबल पीस इनिशियेटिव के अध्यक्ष केए पॉल ने दायर याचिका में इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। इससे पहले 30 सितंबर को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा था कि भगवान को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक हुई रिपोर्ट जुलाई की है लेकिन मुख्यमंत्री इसको लेकर सितंबर में जाकर बयान दे रहे हैं।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि इस रिपोर्ट को देखकर ये स्पष्ट नहीं है कि कथित मिलावट वाला घी लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल हुआ कि नहीं। कोर्ट ने मंदिर प्रशासन से पूछा था कि जिस सैंपल में मिलावट पाई गई थी, क्या उसका इस्तेमाल प्रसादम बनाने में हुआ था। तब मंदिर प्रशासन के वकील ने कहा था कि इसकी जांच करनी होगी। इस पर कोर्ट ने कहा था कि जब जांच चल रही थी, फिर ये सबूत कहां है कि प्रसादम का लड्डू बनाने में मिलावटी घी का प्रयोग हुआ था। सुप्रीम कोर्ट में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी समेत दूसरे याचिकाकर्ताओं ने पहले से याचिका दायर कर रखी है।

छठ महापर्व का समापन: उगते सूरज को अर्घ्य के साथ... बिदाई-बिदाई छठी मइया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा 2024 का समापन हो गया है। बिहार के पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, गया, बेगूसराय, दरभंगा, मोतिहारी, छपरा, गोपालगंज, मधुबनी समेत अन्य जिलों में छठ घाटों पर शुक्रवार सुबह लाखों की संख्या में व्रतियों ने उदीयमान यानी उगते हुए सूरज को अर्घ्य देकर 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा किया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ पूजा का समापन हुआ।

राजधानी पटना के बांस घाट, कच्ची तालाब, पंच शिव मंदिर तालाब, माणिक चंद तालाब समेत अन्य छठ घाटों पर लाखों की संख्या में छठ व्रती सूर्योदय होने के साथ ही भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए तैयार खड़े मिले।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के एक अणे मार्ग स्थित अपने आवास पर ही छठ महापर्व मनाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी

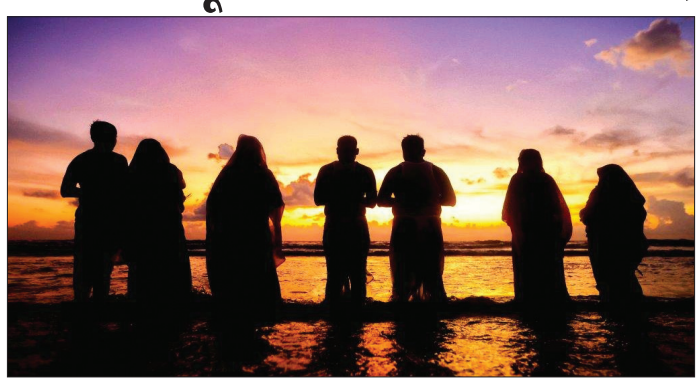

सिंह ने नालंदा जिले के गिरिजा धाम स्थित छठ घाट अपने पत्नी के साथ पर्व मनाया। मंत्री नितिन नवीन ने पटना स्थित अपने आवास पर उदीयमान भास्कर को अर्घ्य दिया।

व्रती आधी रात के बाद से ही घाटों पर इकट्ठा हो गए थे। रात के अंधेरे में छठ घाट दीयों की रोशनी से सजे हुए नजर आए। जैसे ही सूर्योदय हुआ भगवान भास्कर को अर्घ्य देने की होड़ सी मच गई। इससे पहले गुरुवार शाम में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूरज को अर्घ्य दिया था। द प्लूरल्स पार्टी की संस्थापक पुष्पम प्रिया चौधरी ने बिहार के सभी श्रद्धालुओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। सारण से लोकसभा चुनाव लड़ चुकीं आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने भी उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा की।

बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर छठ पूजा के उषा अर्घ्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं और भक्तों को लोक आस्था, प्रकृति के आराधना तथा भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ के चौथे दिन उषा अर्घ्य की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। छठी मइया की कृपा से सबका जीवन सुख-समृद्धि, वैभवशाली, शांति तथा आरोग्यता से परिपूर्ण और मंगलमय हो। जय छठी मइया।

भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति से सफाया होगा भ्रष्टाचार का: मुर्मु

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार की ÷भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने÷ की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारतीय समाज में ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आदर्श माना जाता है। लगभग 2300 साल पहले मेगस्थनीज ने भारतीय लोगों के बारे में लिखा था कि वे अनुशासनहीनता को नापसंद करते हैं और कानून का पालन करते हैं। उनके जीवन में सादगी और तपस्या सन्निहित है। फाहियान ने हमारे पूर्वजों के बारे में इसी तरह का उल्लेख किया है। इस संदर्भ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की इस वर्ष की विषय वस्तु 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति' बहुत उपयुक्त है।

राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वास सामाजिक जीवन की नींव है। यह एकता का स्रोत है। सरकार के काम और कल्याणकारी योजनाओं में जनता का विश्वास शासन की शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा है, बल्कि यह समाज में विश्वास को भी कम करता है। यह लोगों में भाईचारे की भावना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इसका देश की एकता और अखंडता पर भी व्यापक प्रभाव पड़ता है। हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेते हैं। यह केवल एक रस्म तक सीमित नहीं है। यह गंभीरता से लिया जाने वाला संकल्प है। इसे पूरा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि नैतिकता भारतीय समाज का आदर्श है। जब कुछ लोग वस्तुओं, धन या संपत्ति के संचय को अच्छे जीवन का मानक मानने लगते हैं, तो वे इस आदर्श से भटक जाते हैं और भ्रष्ट गतिविधियों का सहारा लेते हैं। बुनियादी जरूरतों को पूरा करके आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में ही वास्तविक खुशी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अगर कोई काम सही भावना और दृढ़ संकल्प के साथ किया जाए, तो सफलता निश्चित है। कुछ लोग गंदगी को हमारे देश की नियति मानते थे। लेकिन मजबूत नेतृत्व, राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिकों के योगदान से स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इसी प्रकार, भ्रष्टाचार के उन्मूलन को असाध्य मान लेना एक निराशावादी दृष्टिकोण है, जो उचित नहीं है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार की ÷भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस÷ की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। कार्रवाई में देरी या कमजोर कार्रवाई से अनैतिक व्यक्तियों को बढ़ावा मिलता है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि हर

कार्य और व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से न देखा जाए। हमें इससे बचना चाहिए। व्यक्ति की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कोई भी कार्य दुर्भावना से प्रेरित नहीं होना चाहिए। किसी भी कार्रवाई का उद्देश्य समाज में न्याय और समानता स्थापित करना होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सड़क हादसे के गम में सादगी से मन रहा है उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस!

सन 1990 के आस पास जब पृथक राज्य की मांग उग्र रूप ले रही थी, तब से ही इस प्रस्तावित राज्य उत्तराखंड की राजधानी के रूप में गैरसैंण को देखा जा रहा था। तभी तो 25 जुलाई सन 1992 के दिन तो 'उत्तराखंड क्रांति दल' ने गैरसैंण को अपने दल की ओर से पहाड़ की राजधानी घोषित किया और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के नाम पर इस शहर का नाम 'चंद्र नगर' रखते हुए राजधानी क्षेत्र का शिलान्यास भी किया था।इसके बाद कई आंदोलन हुए और अलग राज्य की स्थापना 9 नवंबर सन 2000 में हो गई। लेकिन देहरादून को अस्थायी राजधानी का नाम देने से स्थायी राजधानी का मुद्दा सुलझने की जगह और भी ज्यादा उलझता चला गया।यानि अब यह साफ हो गया है कि बिना संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से कमजोर उत्तराखंड में अब एक नहीं दो-दो राजधानी का बोझ झेलना पड़ रहा है।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस 9 नवंबर पर)

हाल ही में अल्मोड़ा जिले में बस चालक के अवसाद के कारण बस के अनियंत्रित होकर खाई में गिरने से हुई 36 मौतों के गम में उत्तराखंड अपना स्थापना दिवस सादगी की के साथ मना रहा है।लेकिन सवाल यह उठता है कि आए दिन ये हादसे क्यो हो रहे है?कभी भूस्खलन से तबाही,कभी जंगलों में आग के कारण उत्तराखंड समस्याओं के मुहाने पर खड़ा ही रहता है।भले ही उत्तराखंड राज्य को बने 24 वर्ष हो गए हो ,लेकिन आज तक उत्तराखंड आत्मनिर्भरता नही हो सका है।विकास पुरूष नारायण दत्त तिवारी ने अपने शासनकाल में राज्य के अंदर जो औद्योगिक नगर बसाए थे उनमें से करीब बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी है या फिर पलायन कर चुकी है।पिछले साल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विदेशों में निवेश के एमओयू साइन करवा रहे थे।लेकिन विदेशों व मुंबई जैसे महानगरों के निवेशक कब उत्तराखंड आएंगे इसका जवाब किसी के पास नही है।राज्य की अधिकांश उपभोक्ता अदालते 2 साल बाद अब जाकर सुचारू हुई है।उपभोक्ता अदालत में पिछले 2 वर्षों से जज व सदस्य न होने के कारण सुनवाई नही हो पा रही थी,इसी तरह किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान अधर में है। नया गन्ना सत्र शुरू हो जाने पर भी गन्ना मूल्य घोषित न होने से किसान असमंजस में है।राज्य के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे है,लेकिन कोई सुनवाई नही हो पा रही है,ऐसे में राज्य स्थापना दिवस पर उनके मुरझाये चेहरे पर रौनक कैसे आ सकती है।आज 24 साल बीतने पर भी उत्तराखंड में न तो स्थाई राजधानी बन पाई और न ही उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण का काम पूरा हो पाया।उत्तराखंड के मूलभूत सरोकार आज भी ज्यो के त्यों हमारे सामने प्रश्न बने खड़े है। गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी तो घोषित कर दिया था, लेकिन स्थायी राजधानी के मुद्दे को आज तक भी हल नही किया गया है। हालांकि कांग्रेस एलान कर चुकी है कि गैरसैंण को वह स्थायी राजधानी घोषित करेगी। लेकिन कब,इस पर वह भी मौन है,जवाब में सत्ता पक्ष भाजपा ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करके अपना पल्ला झाड़ लिया।लेकिन स्थायी राजधानी किसी ने नही बनाई।यह राजधानी कब बनाएगी जाएगी ,इसका कोई जवाब सत्ता पक्ष किसी के पास नही है।ग्रीष्म कालीन सत्र भी जरूरी नही सरकार गैरसैंण बुलाये,कई बार ये सत्र भी देहरादून में ही बुला लिए जाते है।जबकि गैरसैंण में राजधानी के नाम पर दो सौ करोड़ से अधिक विधानसभा भवन व अन्य भवनों के नाम पर खर्च हो चुका है।

प्रदेश की जनता प्रदेश के राजनीतिक , सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिदृश्य को भी पूरी तरह से पलटने की क्षमता रखती हैं। महान शख्सियत चन्द्रसिंह गढ़वाली का सपना था कि 'पहाड़ की राजधानी, पहाड़ में ही हो।' वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ही उन लोगों में थे जिन्होंने सबसे पहले गैरसैंण में प्रदेश की राजधानी की मांग की थी। गैरसैंण चमोली ज़िले का एक ऐसा पहाड़ी शहर है जो गढ़वाल और कुमाऊं की सीमा पर बसा है। सन 1990 के आस पास जब पृथक राज्य की मांग उग्र रूप ले रही थी, तब से ही इस प्रस्तावित राज्य उत्तराखंड की राजधानी के रूप में गैरसैंण को देखा जा रहा था। तभी तो 25 जुलाई सन 1992 के दिन तो 'उत्तराखंड क्रांति दल' ने गैरसैंण को अपने दल की ओर से पहाड़ की राजधानी घोषित किया और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के नाम पर इस शहर का नाम 'चंद्र नगर' रखते हुए राजधानी क्षेत्र का शिलान्यास भी किया था।इसके बाद कई आंदोलन हुए और अलग राज्य की स्थापना 9 नवंबर सन 2000 में हो गई। लेकिन देहरादून को अस्थायी राजधानी का नाम देने से स्थायी राजधानी का मुद्दा सुलझने की जगह और भी ज़्यादा उलझता चला गया।यानि अब यह साफ हो गया है कि बिना संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से कमजोर उत्तराखंड में अब एक नहीं दो-दो राजधानी का बोझ झेलना पड़ रहा है। तत्कालीन त्रिवेंद्र सरकार ने गैरसैंण को सिर्फ ग्रीष्म कालीन स्वीकार किया। जो उत्तराखंड के लिए एक घाव की तरह बनकर रह गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन महारा का कहना है कि कांग्रेस सत्ता में आने पर गैरसैंण को पूर्ण राजधानी बनाएगी। ग्रीष्म कालीन राजधानी पर तत्कालीन मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत ने कहा था कि यह फैसला भविष्य के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा था कि यह फैसला इसलिए लिया गया, ताकि उत्तराखंड निर्माण का लाभ दूरस्थ इलाकों को भी मिल सके।तब त्रिवेंद्र बोले थे , गैरसैंण ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करने के बाद सरकार यहां राजधानी के लिए बुनियादी सुविधाएं जुटाने का काम करेगी। विशेषज्ञों और टाउन प्लानरों के साथ बैठकर यहां के विकास का खाका तैयार होगा। उनका मानना था कि अभी गैरसैंण-भराड़ीसैंण क्षेत्र राजधानी का दबाव सहने की स्थिति में नहीं है। इसलिए सरकार का फोकस यहां अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर रहेगा। यहां राजधानी की सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से जोड़ी जाएंगी, लेकिन हुआ कुछ भी तो नही, सिवाय इसके कि सरकार के निर्णय से प्रदेश में अब दो राजधानियां हो गई है, साथ ही स्थायी राजधानी का मुद्दा पहेली बन गया है।एक बार बजट सत्र के दौरान जिस प्रकार गैरसैंण विधानसभा बर्फ से ढक गई थी ,उसे देखकर यही लगता है कि सरकार मौसम की बेरुखी के कारण स्थाई राजधानी के निर्णय तक नही पहुंच सकेगी। राज्य की जनता भी सरकार के ग्रीष्मकालीन शगूफे को पचा नही पा रही है।राज्य के 70 प्रतिशत लोग स्थाई राजधानी के पक्ष में है।तत्कालीन भाजपा की त्रिवेंद्र सरकार ने यह फैसला लेकर एक विवाद को तो जन्म दे दिया,लेकिन उसका हल उनके बाद के मुख्यमंत्री भी नही खोज पाए।दरअसल उत्तराखंड में राजधानी का मुद्दा जनभावनाओं से जुड़ा है। राज्य गठन के बाद से ही प्रदेश में गैरसैण में राजधानी बनाए जाने को लेकर आवाज उठती रही हैं। राज्य आंदोलन के समय से ही गैरसैंण को जनाकांक्षाओं की राजधानी का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि कांग्रेस और भाजपा की सरकारें गैरसैंण को कभी खारिज नहीं कर पाई।

हरीश रावत सरकार ने जब गैरसैंण में विधानमंडल भवन बनाया, तब उन पर भी राजधानी घोषित करने का दबाव बना था। राजनीतिक आंदोलन से जुड़ा एक वर्ग गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाए जाने की वकालत करता रहा है। राज्य गठन से पहले उत्तर प्रदेश की मुलायम सरकार की गठित कौशिक समिति ने अपनी रिपोर्ट में 70 प्रतिशत लोगो की पसंद गैरसैण को कहा था। वही उक्रांद ने 27 साल पहले गैरसैंण में राजधानी का शिलान्यास किया था। राज्य आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाने वाले उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष दिवाकर भट्ट ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी जनभावनाओं की अनदेखी हुई है। दिवाकर भट्ट ने कहा था कि राज्य गठन आंदोलन के दौरान ही आंदोलनकारियों ने यह तय कर लिया था कि अलग राज्य बनेगा और उसकी राजधानी गैरसैंण होगी। राज्य के लिए कई आंदोलनकारियों ने अपनी शहादत दी। नवंबर 2000 में अलग राज्य बना, लेकिन 24 साल बाद भी गैरसैंण स्थायी राजधानी नहीं बन सकी।

पुष्कर सिंह धामी सरकार स्पष्ट करे कि किस कारण से वह दो राजधानी बनाना चाहती है?

वर्ष 2012 में कांग्रेस सरकार द्वारा पहली बार गैरसैंण में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई थी। तब उम्मीद जगी थी कि क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, सुरक्षा, बैंक जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर होंगी, लेकिन 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी गैरसैंण-भराड़ीसैंण में विधान सभा भवन निर्माण के अलावा अवस्थापना विकास के नाम पर कोई भी कार्य नहीं हुआ है। गैरसैंण और भराड़ीसैंण की प्यास बुझाने के लिए पिंडर नदी से पानी लिफ्ट करने की योजना धरातल पर नहीं उतर पाई । यहां के जलस्रोतों का भी बेहतर संरक्षण नहीं किया जा सका है। दिवालीखाल से भराड़ीसैंण की राह आसान बनाने के लिए सड़क का चौड़ीकरण समय की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर यहां एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है, जो बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों के संचालित हो रहा है। यह यक्ष प्रश्न आज भी मौजूद है कि। जब कोई पहाड़ में रहना ही नही चाहता,तो कैसे पहाड़ का भला होगा।आज भी नेता ,अधिकारी और कर्मचारी देहरादून छोड़ना ही नही चाहते।तभी तो स्थाई के बजाए ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर अपनी सुख सुविधाओं को सरकार के स्तर से तरजीह दी गई।

संपादकीय

मदरसों को अभयदान

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में देश के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। दरअसल, भाजपा शासित उ.प्र. में सरकार हजारों मदरसों पर लगाम लगाना चाहती थी। इस वर्ष की शुरुआत में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीस साल पुराने उ.प्र. मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि ये स्कूल धर्मनिरेपक्षता के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं। इस फैसले के बाद राज्य के हजारों मदरसों का भविष्य खतरे में पड़ गया था। साथ ही इन मदरसों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो गया था। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इन मदरसों के संचालकों ने राहत की सांस ली है। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो गया कि इनमें पढ़ने वाले लाखों छात्रों को पारंपरिक शिक्षा संस्थानों में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। दरअसल, हाल के वर्षों में न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि मध्यप्रदेश और असम जैसे भाजपा शासित राज्यों में भी मदरसे सरकारों के एजेंडे में शामिल रहे हैं। यहां तक कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग यानी एनसीपीसीआर की कारगुजारियां भी सवालों के घेरे में रही हैं, जिसने पिछले महीने सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर सिफारिश की थी कि मदरसा बोर्डों को बंद कर दिया जाए। साथ ही इन संस्थानों को राज्य का वित्त पोषण रोकने की भी सिफारिश की गई थी। वहां पढ़ने वाले छात्रों को औपचारिक स्कूलों में नामांकित करने की बात भी कही गई थी। आयोग की दलील थी कि इन बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा आधुनिक जरूरतों के अनुरूप नहीं है। साथ ही इन मदरसों पर शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का पालन न करने का भी आरोप लगाया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसा संचालकों व छात्रों ने राहत की सांस ली होगी। दरअसल, इन मदरसों को लेकर कहा जाता रहा था कि ये धार्मिक कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देने वाली संस्थाएं हैं। इसमें संदेह नहीं कि कट्टरपंथ को प्रश्रय देने वाली किसी भी कोशिश को नकारा ही जाना चाहिए, लेकिन संपूर्ण मदरसा व्यवस्था को ही खारिज करने की सोच में असहिष्णुता झलकती है, जो भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि के विरुद्ध है। इसकी व्याख्या सुप्रीम कोर्ट ने भी विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं और धर्मों के संरक्षक कवच के रूप में की है। निस्संदेह, मदरसा एक्ट पर रोशनी डालने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद महत्वपूर्ण है, जो इस कानून की संवैधानिकता की तो पुष्टि करता है, लेकिन मदरसों को उच्च शिक्षा की डिग्री देने से रोकता है। इसके अलावा राज्य सरकारों को शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का अधिकार भी देता है। साथ ही फैसला शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ देखने की जरूरत भी बताता है। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट का फैसला मदरसा एक्ट को लागू करने के तौर-तरीकों की खामियों की ओर भी ध्यान खींचता है। कोर्ट ने यूजीसी एक्ट से जुड़ी विसंगतियों का ध्यान रखते हुए स्पष्ट किया कि मदरसे उच्च शिक्षा से जुड़ी डिग्री देने का अधिकार नहीं रखते। साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि संविधान में वर्णित धर्मनिरपेक्षता की सीमाओं के अतिक्रमण को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राजघरानों की दुखती रग पर राहुल गाँधी का हाथ

(लेखक - राकेश अचल)

7 लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अच्छे आदमी नहीं हैं । अच्छे आदमी इसलिए इसलिए नहीं हैं क्योंकि वे दूसरों की दुखती रग पर हाथ रख देते है। इस बार उन्होंने गुलाम भारत के उन राजघरानों के बारे में लिख दिया जो आजाद भारत में भी अपने आपको राजा-महाराजा समझते हैं। हालाँकि हैं नहीं और अब उनके लिए दोबारा राजपाट मिलने की भी कोई संभावना भी नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने व्यापार और बाजार परिदृश्य पर विचार प्रस्तुत करते हुए लेख लिखा जो एक अंग्रेजी अखबार में छपा। ये अखबार किसी जमाने में कांग्रेस का प्रबल विरोधी अखबार था। अखबार का नाम है इंडियन एक्सप्रेस ।

राहुल के लेख में उन्होंने एकाधिकार और नफरत फैलाने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने शाही परिवारों को भी निशाने पर लिया। राहुल गाँधी का लेख पढ़ते ही राजघरानों के लोगों को आग सी लग गयी। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राहुल गांधी के लेख की आलोचना की। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झाँसी की रानी के साथ कथित गद्दारी का कलंक लिए घूमने वाले ग्वालियर के सिंधिया राजघराने के मौजूदा चश्मों चिराग केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जताई।

आपको अतीत में ले जाना चाहता हूँ । हमने पढ़ा है तो आपने भी पढ़ा ही होगा कि भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान हिन्दुस्तान में हिन्दू राजा-महाराजाओं , नवाबों की रियासतें हुआ करतीं थी। यानि जैसे आज आजाद राष्ट्र में एक महाराष्ट्र है वैसे ही गुलाम भारत में एक -दो नहीं बल्कि पूरी 565 रियासतें थीं।यानि 565 हिंदुस्तान। ये सब स्वतंत्र होकर भी परतंत्र थे लेकिन मजे में थे । अंग्रेजों के साथ अधिकांश राजघरानों की संधियां थी।कुछ की तो मुगलों से भी संधियां रहीं। अंग्रेज इन्हें इनाम-इकराम और बड़े -बड़े तमगे भी दिया करते थे, लेकिन इनमें से बहुत से राजघराने थे जो अंग्रेजों से लगातार मुठभेड़ें भी लेते रहते थे ,लेकिन उनकी ये मुठभेड़ें निजी नफा-नुक्सान को लेकर हुआ करतीं थीं।

आजकल लोग अखबार कम पढ़ते हैं लेकिन सोशल मीडिया ज्यादा देखते हैं इसीलिए राहुल गाँधी ने भी अपने एक्स के पन्ने पर पर अपना लेख साझा करते हुए लिखा कि अपना भारत चुनें निष्पक्ष खेल या एकाधिकार? नौकरियां या कुलीनतंत्र? योग्यता या रिश्ते? नवाचार या डरा-धमकाना? बहुतों के लिए धन या कुछ चुनिंदा लोगों के लिए? मैं इस बारे में लिख रहा हूं कि व्यापार के लिए एक नया समझौता सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह भारत का भविष्य है।

आपने शायद राहुल का लेख न पढ़ा हो इसलिए मैं उनके लेख के कुछ अंश यहां साझा करता हूँ । उन्होंने लिखा कि - ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप करा दिया था। यह अपने व्यापारिक कौशल से नहीं, बल्कि अपने दबदबे से चुप कराया गया था। कंपनी ने हमारे अधिक लचीले महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, रिश्वत देकर और धमकाकर भारत का गला घोंटा। इसने हमारे बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। हमने अपनी आजादी किसी अन्य राष्ट्र से नहीं खोई; हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम से खो दीया जिसने एक जबरदस्ती तंत्र चलाया।

अब इस लेख में कितनी हकीकत है और कितना अफ़साना ये पाठकों को तय करना है ,लेकिन मुझे लगता है कि राहुल ने एक बार फिर उस सामंतवादी समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया है जो हमेशा राजसत्ता के इर्दगिर्द मंडराता रहता है । कल भी मंडराता था और आज भी मंडरा रहा है । उसके लिए दल ज्यादा महत्व नहीं रखते। यानि राजघरानों को राजसत्ता के आसपास ही रहना ह। फिर चाहे वो सत्ता कांग्रेस की हो,भाजपा की हो, गठबंधन की हो या बैशाखियों वाली हो। राहुल गांधी के लेख की कुछ पंक्तियों ने देश के तमाम राजशाही परिवारों को नाराज कर दिया। राजघरनों के लिए मशहूर राजस्थान के जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी अपने एक्स हैंडल से राहुल गांधी पर निशाना साधा। राजकुमारी दीया कुमारी ने लिखा कि मैं संपादकीय में राहुल गांधी की ओर से भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं। उनका कहना है कि एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका। ऐतिहासिक तथ्यों की अधूरी व्याख्या के आधार पर किए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

राहुल गाँधी के लेख से सबसे ज्यादा आहत हुए उनके पुराने दोस्त और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिय। सिंधिया जिस परिवार से आते हैं उसके ऊपर झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ प्रथम स्वतांत्रता आंदोलन के समय गद्दारी करने का आरोप लगाया गया था,जो आज भी लोकधारणा में ज़िंदा है। सिंधिया परिवार इस आरोप से इतना लज्जित था कि पिछले डेढ़ सौ साल में इस परिवार का कोई सदस्य रानी लक्ष्मी बाई की ग्वालियर स्थित समाधि पर नहीं गया था,खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी नहीं गए थे,लेकिन 2020 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें भी रानी झाँसी को वीरांगना स्वीकार कर उनकी समाधि पर शीश नवाने के लिए विवश कर दिया था।

राहुल के लेख पर बिफरते हुए सिंधिया ने लिखा कि नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के बारे में अज्ञान और उसका औपनिवेशिक मानसिकता सभी सीमाओं को पार कर गई है। सिंधिया ने आगे कहा कि यदि आप राष्ट्र को उन्नत करने का दावा करते हैं, तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर तिकेंद्रजीत, कित्तूर चेन्नम्मा और रानी वेल्लु नचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्होंने हमारी आजादी के लिए कड़ा संघर्ष किया। राहुल और सिंधिया लेख भी लिखते हैं ये मुझे पता नहीं था,किन्तु राहुल के लेख पर उफनते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिखा कि - अपने स्वयं के विशेषाधिकार के बारे में आपकी चयनात्मक स्मृतिलोप उन लोगों के लिए एक अपमान है जो वास्तव में विपरीत परिस्थितियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। आपका असंगति केवल कांग्रेस के एजेंडे को और अधिक उजागर करती है - राहुल गांधी आत्मनिर्भर भारत के कोई चैंपियन नहीं हैं; वह केवल एक पुराने अधिकार का उत्पाद हैं।

(चिंतन-मनन)

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए।

मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

विचार मंथन

अवैध भारतीय प्रवासियों को अमेरिका से बाहर निकालेंगे ट्रम्प?

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में 131 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। उन्होंने अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को, अमेरिका से बाहर निकालने का वादा, चुनाव प्रचार के दौरान बड़ी दमदारी के साथ अमेरिकी मतदाताओं से किया था। अमेरिका में इस समय सवा करोड़ अवैध प्रवासी रह रहे हैं। इसमें लाखों की संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। ट्रंप के चुनावी वादों के अनुसार जनवरी 2025 में जब वह राष्ट्रपति का पद संभालेंगे, उसके बाद सबसे पहले अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को अमेरिका से बाहर निकलने का काम करेंगे। अमेरिका में 1798 का एलियन एनीमी एक्ट राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है। वह राष्ट्रपति के रूप में 14 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को अमेरिका से बाहर निकाल सकते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादे के अनुसार ट्रंप सवा करोड़ अवैध प्रवासियों को अमेरिका से बाहर निकालकर रहेंगे। अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका की महंगाई और बेरोजगारी के लिए सबसे बड़े संकट माने जा रहे हैं। जिस तरह की जानकारी सामने आ रही है, उसमें कनाडा बॉर्डर के 10 रिपब्लिकन राज्यों में नेशनल बार्डर फोर्स तैनात की जाएगी। इसके माध्यम से अवैध प्रवासियों को अमेरिका में आने से रोकना और अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने का काम सर्वोच्च प्राथमिकता से प्रशासन द्वारा किया जाएगा। अमेरिका में अभी जो कानून प्रचलित है, उसके अनुसार अवैध प्रवासी यदि पकड़े जाते हैं। गिरफ्तार होने के बाद वह अमेरिका में शरण की अर्जी लगा देते हैं। अमेरिका की कोर्ट में आवेदन के निपटारे में कई वर्ष का समय लगता है। मुकदमें के दौरान वह कई वर्ष तक अमेरिका में रह चुके होते हैं। जिसके कारण अवैध रूप से घुसे प्रवासियों को अमेरिका मे रहने का हक मिल जाता है। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप इस मुकदमेबाजी में ना उलझते हुए, 1798 के एलियन एनिमि एक्ट मे मिले अधिकारों को उपयोग करेंगे। अवैध प्रवासियों के कारण 3.5 लाख करोड रुपए का अतिरिक्त बोझ अमेरिका की सरकार को उठाना पड़ रहा है। वहीं महंगाई और बेरोजगारी की समस्या का भी सामना अमेरिका के लोगों को करना पड़ रहा है। इस चुनाव में ट्रंप की जीत का सबसे प्रमुख कारण अवैध प्रवासियों को माना जा रहा है। इस समय अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश कर लाखों भारतीय, अवैध प्रवासी के रूप में रह रहे हैं। इनके ऊपर जल्द ही बहुत बड़ा संकट आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताते हैं। पिछले चुनाव में मोदी ने अमेरिका जाकर ट्रंप का चुनाव प्रचार भी किया था। अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे भी लगाए थे। ऐसी स्थिति में आशा की जा सकती है, कि डोनाल्ड ट्रंप भारतीयों के लिए अलग से नीति तैयार कर भारतीयों का निष्कासन अमेरिका से नहीं करेंगे। ट्रंप के पक्ष में लगभग 55 फ़ीसदी भारतीय मूल के मतदाताओं ने उनके पक्ष में मतदान किया है। अभी जो ताजा रिपोर्ट आई है उसके अनुसार अवैध रूप से जो भारतीय अमेरिका मे हैं। उनमें 50 फ़ीसदी गुजराती मूल के लोग हैं। उसके बाद हरियाणा, पंजाब एवं अन्य राज्यों के नागरिक अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं। अमेरिका से यदि भारतीय मूल के अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के लिए सहानुभूति पूर्वक विचार करेंगे, तब यह माना जाएगा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ दोस्ती को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। पिछला कार्यकाल उनका भारतीयों के लिए कोई अच्छा कार्यकाल नहीं माना जाता है। जिसके कारण लोगों के मन में ट्रंप के आने के बाद उहापोह की स्थिति भी देखने को मिल रही है। भारत में जिस तरह से ट्रंप की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपना एक अच्छा दोस्त कहते हुए प्रतिक्रिया दी है। भाजपा समर्थक भी ट्रंप की जीत का जश्न अमेरिका और भारत में मना रहे हैं। उससे यह आशा है कि ट्रंप भारतीय मूल के लोगों के साथ अलग तरह का व्यवहार करेंगे।

अमेरिका के बाद अब चीन करेगा राहत पैकेज की घोषणा!

- दबाव में आ सकता है भारत का शेयर बाजार

मुंबई । अमेरिका के बाद अब चीन ने भारत के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। फेडरल रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की है, जो अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए किया गया है। चीन में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक अब समाप्त होने वाली है और राहत पैकेज का ऐलान हो सकता है। चीन की ओर से 10 लाख करोड़ रुपए के और राहत पैकेज की संभावना है। यह कदम भारत के लिए बड़ी चुनौती बना सकता है और शेयर बाजार दबाव में आ सकता है। विदेशी निवेशक चीन की ओर बढ़ सकते हैं और भारतीय शेयर बाजार को नुकसान हो सकता है। पिछले महीने विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़ी राशि निकाली थी, जिससे उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अमेरिका में ब्याज दर कम होने से वैश्विक शेयर बाजार में तेजी आई है, जो भारत के शेयर बाजार को भी प्रभावित कर सकता है। इस संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो रेट में कटौती करने का विचार कर सकता है। इस तरह की कटौती से भारतीय अर्थव्यवस्था को भी तरक्की मिल सकती है।

आईआरबी इंफ्रा का टोल राजस्व संग्रह अक्टूबर में बढ़कर 540 करोड़ हुआ

आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ

नई दिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने टोल संग्रह में अक्टूबर माह में वृद्धि की जानकारी दी और बताया कि इसे पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़कर 539.6 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक पॉजिटिव संकेत है कि कंपनी अपनी दिशा में मजबूत बनी जा रही है। आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ है, जहां आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे ने 142.6 करोड़ रुपये का संग्रह किया। इसके बाद आईआरबी अहमदाबाद वडोदरा सुपर एक्सप्रेस टोलवे ने 66.2 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कंपनी ने इस योजना में सीजी टोलवे से 32.7 करोड़ रुपये संकलित किए हैं। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उन्हें इस तरीके के रुझान से बड़ी उम्मीदें हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि यात्रियों की संख्या में आगे भी वृद्धि होगी। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत की राजमार्ग क्षेत्र की पहली एकीकृत अवसंरचना कंपनी है और वे देश की सबसे बड़ी एकीकृत निजी टोल रोड और राजमार्ग अवसंरचना डेवलपर हैं। उनकी परिसंपत्ति की मान्यता 12 राज्यों में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक है। यह स्थिति दिखाती है कि कंपनी का भविष्य उज्जवल है और उन्हें आगे भी सफलता हासिल करने की उम्मीद है।

परमेसु बायोटेक आईपीओ से जुटाएगा 600 करोड़

- सेबी के समक्ष दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली। परमेसु बायोटेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 600 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। इसमें उक्त राशि का 520 करोड़ रुपये का नया शेयर और 80 करोड़ रुपये का शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का परियोजन शामिल है। इस परियोजना के तहत, कंपनी ने नए संयंत्र स्थापित करने, कर्ज का भुगतान करने और उसे और विकसित करने के लिए गरीबों का लाभ उठाने की योजना बनाई है। इस निर्माणाधीन संयंत्र के माध्यम से प्राप्त होने वाले धन का एक हिस्सा मध्य प्रदेश में 1,200 टीपीडी का एक नया संयंत्र स्थापित करने में लगाया जाएगा। इसके अलावा, 85 करोड़ रुपये का कर्ज का भुगतान किया जाएगा और शेष राशि का उपयोग कंपनी के सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।सेबी के साथ पूंजी बाजार नियामक के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज जमा करने के बाद, परमेसु बायोटेक लिमिटेड अपनी इस आईपीओ की पूर्वस्थिति को मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। इस प्रक्रिया के माध्यम से कंपनी ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक धन को जुटाने का संकल्प दिखाया है।

टीसीएस ने एयर फ्रांस-केएलएम के साथ की मल्टी-ईयर डील

केएलएम को डेटा-संचालित एयरलाइन बनने में मदद करेगा टीसीएस

मुंबई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने एयर फ्रांस-केएलएम के साथ मल्टी-ईयर डील साइन की है। इस डील के तहत टीसीएस एयर फ्रांस-केएलएम को एक डेटा-संचालित एयरलाइन बनाने में मदद करेगा। आने वाले तीन सालों में, टीसीएस एयरलाइन ग्रुप के डेटा को क्लाउड में माइग्रेट करने का कार्य करेगा, जिससे एयर फ्रांस-केएलएम को अपने डेटा केंद्रों से बाहर निकलने और क्लाउड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। टीसीएस का कहना है कि इस बदलाव से एयर फ्रांस-केएलएम को अपने संचालन को अनुकूलित करने, फैसले लेने में सुधार, कार्यक्षमता को बढ़ावा देने और दक्षता में वृद्धि करने में मदद मिलेगी। यह नया डेटा आर्किटेक्चर एयरलाइन के लिए एक स्थिर और अनुकूली एविएशन इंडस्ट्री को सपोर्ट करेगा। यह डील टीसीएस और एयर फ्रांस-केएलएम के बीच 30 सालों से चल रही सहयोग का हिस्सा है, जिसमें पहले से ही विश्वसनीयता, सोशल मीडिया, ग्राहक सेवा और ई-कॉमर्स को बढ़ावा दिया है। अब, टीसीएस एयर फ्रांस-केएलएम को उनके मुख्य व्यवसाय डेटा को क्लाउड पर स्थानांतरित करने में मदद करेगा, एयर फ्रांस-केएलएम ग्रुप के ईवीपी और ग्रुप सीआईओ ने कहा कि टीसीएस के साथ एक नया और रोमांचक अध्याय शुरू करने की खुशी है। नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए हम डेटा-संचालित एयरलाइन बन सकते हैं और अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व फ्रांस, नीदरलैंड और भारत में स्थित टीसीएस डिलीवरी केंद्रों में 100 से ज्यादा पेशेवरों की एक समर्पित टीम करेगी। एयर फ्रांस-केएलएम 100 देशों में 320 स्थानों पर उड़ान भरने वाले 551 विमानों के बेड़े के साथ कई एयरलाइन ब्रांडों का संचालन करता है।

एफएसएसएआई ने अधिकारियों से कहा- ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों में निगरानी बढ़ाएं

- 45वीं केंद्रीय सलाहकार समिति की बैठक में दिया निर्देश

नई दिल्ली । खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने सरकारी अधिकारियों से ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों की निगरानी बढ़ाने और उपभोक्ताओं तक सुरक्षित भोजन पहुंचाने के लिए आपूर्ति कर्मचारियों के बारे में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने को कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की 45वीं केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की बैठक में यह निर्देश दिया गया। इस बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से नवंबर से मार्च तक के मुख्य पर्यटन सत्र की तैयारी में उच्च सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर निगरानी बढाने का आग्रह किया गया। लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सैलानियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वहां फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल लैब का उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्होंने विभिन्न राज्यों के खाद्य आयुक्तों से ई-कॉमर्स मंचों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गोदामों और अन्य सुविधाओं पर निगरानी बढ़ाने को कहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने से भी बाजार गिरा है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार धन निकासी से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 55.47 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 79,486.32 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 51.15 अंक तकरीबन 0.21 फीसदी नीचे आकर 24,148.20 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के 27 शेयर नीचे आये जबकि 23 के शेयर लाभ के साथ ही बंद हुए।

वहीं सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर सबसे ज्यादा 2.62 फीसदी गिरा। इसके अलावा टाटा स्टील, एसबीआई, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, अल्ट्रा सीमेंट और मारुति के शेयर भी नीचे आये।

दसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टाइटन, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू और सनफार्मा के शेयर भी लाभ के साथ उछले। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों के लगातार पैसा निकालने से बाजार नीचे जा रहा है इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसके अलावा अलावा आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया व दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज शेयरों में गिरावट से भी बाजार नीचे आया।

गत दिवस विदेशी निवेशकों ने 4,888.77 करोड़ रुपये बाजार से निकाले थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला । घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान लगातार दूसरे दिन बिकवाली दिखी। सुबह के सत्र में सेंसेक्स 424.42 अंक गिरकर 79,117.37 पर जबकि निफ्टी 132.7 अंक गिरकर 24,066.65 पर कारोबार करता दिखा।

वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने उम्मीद के मुताबिक 25 बेसिस अंकों की दर से ब्याज दरें घटाई हैं। फेड के इस फैसले से उत्साहित वॉल स्ट्रीट लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.74 फीसदी की बढ़त रही, नेस्डेक कम्पो जिट 1.51 फीसदी चढ़ा और डाओ जोंस सपाट बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजार में भी तेजी रही। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.12 फीसदी ऊपर है, जबकि जापान का निक्केई 0.49 फीसदी उपर आया।

इमामी का तिमाही मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़ा

- पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 19 प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड ने दूसरी तिमाही में अपने शानदार नतीजे जारी किए हैं। उसके चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 19 प्रतिशत बढ़कर 213 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इससे कंपनी ने उत्कृष्ट कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने जारी बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भी एफएमसीजी कंपनी ने अच्छे नतीजे प्राप्त किए हैं। उसके शुद्ध मुनाफे में 19 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 213 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस अवधि में परिचालन से उसका राजस्व तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 891 करोड़ रुपए हो गया है। इस बड़े वृद्धि के पीछे उसके प्रोडक्ट लाइन का विस्तार और क्वालिटी निरंतरता में सुधारों का होना बड़ी भूमिका निभाई है। एफएमसीजी कंपनी के प्रतिपादन में बड़ी वृद्धि आई है जिससे कारोबार में नया उत्साह दिखा है। यह नतीजे कंपनी के भविष्य के लिए उम्मीदवारी को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकते हैं और उसके विनिवेशकों को भी आत्मविश्वास दिलाने में सहायक हो सकते हैं।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी को नहीं मिल रहा निवेशकों का रिस्पॉन्स

-विशेषज्ञों का मानना, स्विगी को अपने लागत ढांचे में करना होगा सुधार

नई दिल्ली।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी के 11,327 करोड़ रुपए के आईपीओ को दूसरे दिन भी निवेशकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। गुरुवार शाम तक यह केवल 35 फीसदी या 0.35 गुणा ही सब्सक्राइब हुए। यह आईपीओ बुधवार को खुला था, और पहले दिन 12 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिले। आंकड़ों के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) का हिस्सा 28 फीसदी, गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) का हिस्सा 14 फीसदी और रिटेल निवेशकों का हिस्सा 84 फीसदी ही सब्सक्राइब हुआ। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा सबसे ज्यादा 1.15 गुणा सब्सक्राइब हुआ। स्विगी के आईपीओ में निवेश करने का आखिरी दिन 8 नवंबर था, और कंपनी का प्राइस बैंड 371-390 रुपए के बीच तय किया गया है। कंपनी का अलॉटमेंट 11 नवंबर को होने की संभावना है और लिस्टिंग 13 नवंबर को एनएसई और बीएसई पर हो सकती है। स्विगी का आईपीओ सब्सक्राइब करने के प्रति निवेशकों की कम रुचि का एक प्रमुख कारण कंपनी की कमजोर वित्तीय स्थिति है। स्विगी की प्रतिद्वंदी जोमैटो, जो पहले ही स्टॉक मार्केट में अपनी जगह बना चुकी है, निवेशकों के लिए तुलनात्मक रूप से बेहतर विकल्प है। वित्तीय आंकड़ों के मुताबिक स्विगी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 6,119 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की, लेकिन साथ ही 3,628.90 करोड़ रुपए का घाटा भी उठाया। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की आय बढ़कर 8,714 करोड़ हो गई लेकिन घाटा भी बढ़कर 4,179 करोड़ रुपए तक पहुँच गया। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 11,634 करोड़ रुपए की आय अर्जित की, लेकिन घाटा घटकर 2,350 करोड़ रुपए हो गया। जून 2024 की तिमाही में कंपनी ने

3,310.11 करोड़ रुपए की आय के साथ 611.01 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा दर्ज किया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि स्विगी को अपने ऑपरेशन को लाभकारी बनाने के लिए अपने लागत ढांचे में सुधार करना होगा। फूड डिलीवरी बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा, कम मार्जिन और लगातार बढ़ती लागत स्विगी के लिए चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। हालांकि, कंपनी का राजस्व बढ़ा है, लेकिन निवेशकों को अभी भी इसकी दीर्घकालिक लाभप्रदता पर संदेह है।

जीडीपी आंकड़ों को जारी करने का समय अब शाम चार बजे हुआ

- पहले शाम साढ़े पांच बजे का समय था

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी किए गए अपने आर्थिक आंकड़ों में बदलाव की घोषणा की है। शुक्रवार को घरेलू उत्पाद का अनुमान प्रकाशित करने के समय को चार बजे कर दिया गया है, जो कि पहले की साढ़े पांच बजे का समय था। मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि जीडीपी आंकड़ों के प्रकाशन में और अधिक पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए होने बाले बंद होने वाले बाजारों के समय के अनुरूप हो। यह सुनिश्चित करेगा कि जीडीपी आंकड़ों का प्रकाशन किसी भी कारोबार में बाधा न डाले। इस नए समय सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर के लिए जीडीपी अनुमानों की प्रेस विज्ञप्ति 29 नवंबर 2024 को शाम चार बजे जारी की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह विशेष घोषणा संवेदनशीलता और पारदर्शिता में सुधार करेगा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इसी माह में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की जानकारी भी जारी की है। इस तरह के सुधार भारतीय वित्तीय बाजारों के प्रति आपूर्ति समय की वृद्धि करेंगे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने की ब्याज दर में कटौती, भारतीय बाजारों को होगा फायदा

मुंबई।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस साल लगातार दूसरी बार ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, जिससे यह दर अब 4.75 फीसदी रह गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए सकारात्मक है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) विकास, मुद्रास्फीति और मुद्रा स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

एक विशेषज्ञ ने कहा कि भारत में खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी है और यह आर्थिक विकास की संभावनाओं के लिए एक सकारात्मक संकेत है। विशेषज्ञों का मानना है कि फेड की इस नीति से भारत में निवेश आकर्षित हो सकता है, खासकर जब घरेलू स्तर पर ब्याज दर में कटौती के लिए तत्काल संभावना नहीं है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आरबीआई ने तटस्थ मौद्रिक नीति की दिशा में कदम उठाया है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि तुरंत ब्याज दरों में कटौती की जाएगी। आरबीआई की हाल में की गई समीक्षा में लगातार 10वीं बार ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा है, हालांकि बैंक का रुख तटस्थ बना हुआ है। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति में अभी भी कई जोखिम हैं, जिससे ब्याज दरों में कटौती अभी जोखिमपूर्ण हो सकती है। आरबीआई के इस संयम के बावजूद अमेरिकी फेड की कटौती भारत जैसे बाजारों को उभरने का अवसर दे सकती है, जो कि वैश्विक वित्तीय प्रवाह में भारत के लिए अनुकूलता ला सकती है। सैमको सिक्योरिटीज के रिसर्च प्रमुख ने कहा कि फेड प्रमुख का लक्ष्य मुद्रास्फीति को 2 फीसदी के निशान पर लाना है, जो प्रतिबंधात्मक नीतियों की जरुरत को कम करता है। उन्होंने बताया कि बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है और यह अब 4.335 प्रतिशत फीसदी के नीचे आ गई है, जो भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उनका मानना है कि बाजार अब धीमी गति से ब्याज दर में कटौती की संभावनाओं के साथ आगे बढ़ सकता है, हालांकि मुद्रास्फीति में वृद्धि की संभावना बनी हुई है। फेड की नीति में बदलाव से भारत को विदेशी निवेश में फायदा मिल सकता है, जिससे भारतीय बाजार को स्थिरता और विकास का समर्थन मिल सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जेट एयरवेज के निवेशकों को लगा बड़ा झटका

- डूब जाएगा 1.43 लाख निवेशकों का पैसा, साढ़े 5 साल से बंधी थी उम्मीद

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जेट एयरवेज की पुनरुद्धार योजना को खारिज कर दिया और कंपनी के परिसमापन का आदेश जारी किया। यह फैसला 1.43 लाख निवेशकों के लिए बड़ा झटका है, जिनके पैसे अब डूबने का खतरा है। ये निवेशक पिछले साढ़े पांच साल से कंपनी के पुनरुद्धार की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उनके पैसे पूरी तरह डूबने की संभावना जताई गई है। कोर्ट ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के फैसले को पलट दिया और निर्देश दिया कि जेट एयरवेज की संपत्ति बेची जाए और उसके लेनदारों को भुगतान किया जाए।

इसके अतिरिक्त, अदालत ने कालरॉक कंसोर्टियम की पुनरुद्धार योजना को खारिज कर दिया क्योंकि कंसोर्टियम ने अब तक कंपनी में कोई फंड नहीं लगाया था। इस निर्णय के बाद जेट एयरवेज के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई, स्टॉक करीब 5 फीसदी गिरकर 34 रुपये पर बंद हुआ। 2 लाख रुपये से कम निवेश वाले निवेशकों में, जिनकी संख्या लगभग 1.43 लाख है, उनका कुल निवेश लगभग 19.29 फीसदी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब उनके निवेश के पूरी तरह डूब जाने का जोखिम बढ़ गया है। जेट एयरवेज के विमान अप्रैल 2019 से ही उड़ान नहीं भर रहे हैं, और तब से कंपनी के पुनर्गठन के प्रयास अधर में लटके हुए हैं। आखिरी उम्मीद कलरॉक कंसोर्टियम पर टिकी थी, जिसने अपनी पुनरुद्धार योजना में सार्वजनिक शेयरधारिता को 0.21 फीसदी कम करने का प्रस्ताव रखा था।

इसका मतलब सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए बाजार मूल्य का अंत होता, लेकिन वे अपना पैसा वापस पाने की उम्मीद कर रहे थे।

अब, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद, जेट एयरवेज के शेयरों को एक्सचेंज से हटा दिए जाने का जोखिम है, जैसा कि पहले डीएचएफएल के साथ हुआ था। इसका मतलब है कि निवेशक कंपनी के शेयर बेचने में असमर्थ हो सकते हैं, जिससे उनके फंड पूरी तरह से डूब जाने का जोखिम है।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में की कटौती

अधिकारियों ने फेडरल फंड्स रेट को 4.5 से 4.75 फीसदी के रेंज में घटाने का फैसला लिया

मुंबई।

फेडरल रिजर्व ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए अपनी बेंचमार्क लेंडिंग रेट में एक चौथाई प्रतिशत की कटौती की है। अधिकारियों ने सर्वसम्मति से फेडरल फंड्स रेट को 4.5 फीसदी से 4.75 फीसदी के रेंज में घटाने का फैसला लिया। यह कटौती सितंबर में हुई आधे प्रतिशत की कटौती के बाद की गई है। फेडरल ओपन मार्केट कमिटी ने अपने बयान में कहा, कमेटी का मानना है कि रोजगार और महंगाई के लक्ष्यों को हासिल करने में रिस्क लगभग संतुलित हैं। अर्थव्यवस्था का आउटलुक अनिश्चित है और कमेटी अपने डुअल मैंडेट के दोनों पहलुओं से जुड़े रिस्क को लेकर सतर्क है। नीति-निर्माताओं ने अब उस लाइन को हटाया है जिसमें यह भरोसा जताया गया था कि महंगाई 2 फीसदी के लक्ष्य की ओर स्थायी रूप से बढ़ रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि महंगाई में केंद्रीय बैंक के लक्ष्य की ओर कुछ सुधार हुआ है।

समिति ने नौकरी के बाजार के बारे में भी अपने शब्दों में थोड़ा बदलाव किया है। फेड के बयान में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत से श्रम बाजार की स्थिति में सामान्यीकरण हुआ है, और बेरोजगारी दर में कुछ बढ़ोतरी देखी गई है, लेकिन यह अब भी कम बनी हुई है। इस दौरान, एसएंडपी 500 इंडेक्स में अमेरिकी शेयर ऊपर बने रहे, जबकि ट्रेजरी के लाभ घटे और डॉलर के नुकसान में भी कमी आई। यह फैसला इस हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनाव में जीतने के बाद आया है। ट्रंप ने सख्त टैरिफ लगाने, इमिग्रेशन पर रोक बढ़ाने और टैक्स कटौती को जारी रखने का वादा किया है। इन नीतियों से महंगाई और दीर्घकालिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी का दबाव बढ़ सकता है, जिससे फेड आने वाले महीनों में दरों में कटौती के फैसलों को सीमित कर सकता है। फेड अधिकारियों के फैसले अब और अधिक जांच के दायरे में आ सकते हैं, क्योंकि ट्रंप का इतिहास फेड चेयर जेरोम पॉवेल की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का रहा है। फेड की दरों में कटौती के चक्र की शुरुआत एक बड़े दर समायोजन के साथ हुई थी, लेकिन अब नीति निर्माता आगे दरों में कटौती के मामले में एक संतुलित और सावधान दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं।

अगले साल पेश होने वाले बजट में टैक्स सिस्टम में सुधार की उठी मांग

नई दिल्ली ।

अगले साल पेश होने वाले बजट से पहले टैक्स सिस्टम में और सुधार की मांग उठने लगी है। उद्योग मंडल सीआईआई ने अगले वित्त वर्ष के बजट में कर प्रणाली में अधिक सुधारों को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है। सीआईआई ने कहा कि पूंजी निवेश की रफ्तार बनाए रखने पर भी ध्यान देना होगा।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा के साथ आगामी बजट पर हुई एक बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों, कृषि और सामाजिक क्षेत्र से संबंधित बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देने के साथ पूंजीगत व्यय को 25 प्रतिशत बढ़ाने का भी अनुरोध किया। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट एक फरवरी, 2025 को पेश किया जाएगा।

इसके लिए विभिन्न संगठनों के साथ चर्चा का दौर शुरू हो चुका है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा कि अर्थव्यवस्था की आंतरिक मजबूती और वृद्धि आकांक्षाओं को देखते हुए भारत

के लिए सुधारों के अगले चरण की रूपरेखा तैयार करने का यह एक उपयुक्त समय है। पुरी ने कहा कि पिछले दशक में भारत एक तनावपूर्ण दुनिया में स्थिरता और विकास का प्रतीक बनकर उभरा है। हम इस स्थिति को मजबूत करने और प्रतिस्पर्धी भारत बनाने के लिए केंद्रीय बजट की ओर देख रहे हैं जो समृद्ध, समावेशी, न्यायसंगत, पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत हो।

चैंपियंस ट्रॉफी : झुका पीसीबी, 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाने को तैयार, यूएई में खेलेगा भारत

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने पिछले रुख से पीछे हटते हुए अपनी मेजबानी में होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और भारत के मुकाबले यूएई में हो सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसका मतलब यह है कि टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राष्ट्रीय टीम के लिए सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत सरकार के अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देने की संभावना नहीं है। पाकिस्तान ने पिछली बार जब 2023 में एशिया कप की मेजबानी की थी तो इसका आयोजन भी 'हाइब्रिड मॉडल% में किया गया था जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा पार यात्रा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र का कहना है कि पीसीबी को लगता है कि भले ही भारत सरकार पाकिस्तान दौरे को मंजूरी ना दे लेकिन कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है क्योंकि पूरी संभावना है कि भारत अपने मैच दुबई या शारजाह में खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अपनी ओर से किसी भी बोर्ड को अपनी सरकारी नीति के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले में अंतिम फैसला कब लेता है। जब अंतिम फैसला होने की संभावना है तब आईसीसी की अध्यक्षता भारत के जय शाह करेंगे। इस बीच पीसीबी आईसीसी पर अगले सप्ताह तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए दबाव डाल रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था के कुछ शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह फिर से लाहौर का दौरा करने वाले हैं।

सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी के साथ उस संभावित कार्यक्रम पर चर्चा की है जो उन्होंने कुछ महीने पहले भेजा था और वह चाहता है कि 11 नवंबर को उसी कार्यक्रम की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने आईसीसी से कहा है कि संशोधित बजट के साथ एक वैकल्पिक योजना पहले से ही मौजूद है इसलिए संभावित कार्यक्रम जारी करने में देरी करने का कोई मतलब नहीं है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी से यह भी कहा है कि वह बीसीसीआई पर यह पुष्टि करने के लिए दबाव डाले कि क्या वे अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली प्रतियोगिता के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेंगे। सूत्र ने कहा कि पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई लिखित में दे कि उन्हें अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए अपनी सरकार से अनुमति मिली है या नहीं।

पीसीबी द्वारा प्रस्तावित अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार अगले साल एक मार्च को लाहौर में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच

चैंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी 2025 को शुरू होगा जिसका पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। फाइनल नौ मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा और साजों-सामान से जुड़े कारणों से भारत के सभी मैच लाहौर में ही रखे गए हैं। सूत्रों के अनुसार पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी में अपने स्टेडियमों के नवीनीकरण पर लगभग 13 अरब रुपये खर्च कर रहा है जहां चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच होने हैं।

ऋषभ, रोहित और विराट हमारे निशाने पर रहेंगे : कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। इस माह 22 नवंबर से शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी रणनीति बनानी शुरु कर दी है। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इसी को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है। पिछले एक दशक से वह भारत से ये सीरीज नहीं जीत पायी है। ऐसे में इस बार कमिंस घरेलू धरती पर ये सीरीज जीतकर प्रशंसकों को खुश करना चाहेंगे। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में उसके निशाने पर आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कमिंस ने कहा कि ऋषभ जबरदस्त फार्म में हैं ऐसे में हमें उनपर अंकुश लगाना होगा। जहां तक रोहित और विराट की बात है ये दोनो ही हाल के समय में फार्म में नहीं हैं पर ये सोचकर कम आराम से नहीं बैठ सकते क्योंकि ये दोनो ही विश्व के बेहतरीन बल्लेबाज हैं जो कभी भी मैच पलट सकते हैं। विराट का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा रहा है। ऐस में कमिंस ने कहा कि इन तीनों के लिए गेम प्लान तैयार हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैच की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से होने जा रहा है। न्यूजीलैंड से 0-3 से सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया का मनोबल गिरा है। कमिंस ने ऋषभ को लेकर कहा कि, हां वह हमेशा खेल को बहुत तेजी से आगे बढ़ाता है इसलिए कुछ खिलाड़ियों के लिए, आपके पास कुछ ठोस योजनाएं भी होनी चाहिए। उसने न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छा खेला है, उसने पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में एक अच्छी सीरीज खेली थी। हम जानते हैं कि जब वह आगे बढ़ता है तो वह खतरनाक हो सकता है इसलिए कोशिश करेंगे और कुछ अच्छी योजनाएं बनाएंगे और उम्मीद करेंगे कि वे सफल हों।

कुछ महीनों से हमारी परीक्षा की घड़ी चल रही है- डरबन टी20 से पहले बोले ऐडन मार्कराम

डरबन (एजेंसी)। बारबाडोस में जब से दक्षिण अफ्रीका ने भारत से पुरुष टी-20 विश्व कप फाइनल 2024 गंवाया है, तब से वह इस फार्मेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज से वह 3-0 से हार गए। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज 1-1 से ड्रा रही। इसी बीच भारत के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने स्वीकार किया है कि इस प्रारूप में पिछले कुछ महीने उनके लिए कठिन रहे हैं, लेकिन उन्हें अपनी टीम के लिए अच्छे दिन देखने की उम्मीद है, क्योंकि शुक्रवार को किंग्समीड में श्रृंखला के पहले मैच में उनका सामना भारत से होगा।

मार्कराम ने कहा कि अभी कुछ महीनों से इसका परीक्षण चल रहा है। जाहिर है, हमने इसके पीछे के कारणों, विकास के अवसरों, उन चीजों पर ध्यान दिया है जो लंबे समय में दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेटरों को बेहतर बनाने वाली हैं। मार्कराम ने कहा कभी-कभी आपको इस कठिन समय से गुजरना पड़ता है और उम्मीद है कि एक टीम के रूप में सुरंग के अंत में हमारे लिए कुछ रोशनी होगी। जाहिर तौर पर दक्षिण अफ्रीका के लिए मैच जीतना और सीरीज जीतना चाहता हूं। लेकिन आप बड़ी तस्वीर पर ध्यान दें, आप इस बात पर ध्यान दें कि इससे दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट को आगे बढ़ने में कितनी मदद मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच 4 मैचों की टी20 श्रृंखला भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी की पृष्ठभूमि में हो रही है, जो 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली है। भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कई लोगों के लिए बड़े आईपीएल सौदों की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, खिलाड़ियों के लिए बहुत सी चीजें हो सकती हैं और हम भाग्यशाली हैं कि हम नीलामी होने से ठीक पहले (भारत) के खिलाफ श्रृंखला में खेल रहे हैं। यह काफी हद तक अच्छा प्रदर्शन करने का बोनस होगा।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में जीत के लिए हाल में मिली असफलताओं से उबरना होगा : संदीप पाटिल

मुंबई (एजेंसी)। भारत क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संदीप पाटिल ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार से उबरना होगा। पाटिल ने कहा कि कमजोर मनोबल के साथ कोई भी टीम नहीं जीत सकती। इसलिए खिलाड़ियों को पिछली गलतियों से सबक लेते हुए आगे बढ़ना होगा। जिससे टीम ऑस्ट्रेलिया में जीत की राह पर लौट सके। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना भी कम हुई है। अब उसके ऑस्ट्रेलिया के पांच टेस्ट मैचों में से चार जीतने होंगे। इसी को लेकर पाटिल का मानना है भारतीय टीम अभी भी काफी अच्छी है

और मेरा मानना है कि कीवी टीम के खिताफ लगे झटकों से वह नहीं डरी होगी।

पाटिल ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर ही खेलना है। उन्हें यह भूलना होगा कि पिछली बार वहां क्या हुआ था। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में जो हुआ उसे भी भूलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व कप जीतने से पहले हम सभी अभ्यास मैच हार गये थे। इसी को देखते हुए आपको सकारात्मक सोचना होगा और सकारात्मक तरीके से खेलना होगा, तभी आपको अपनी पसंद के परिणाम मिलेंगे। पाटिल ने कहा कि जीत के लिए आक्रामक रुख अपना होगा क्योंकि अगर आप रक्षात्मक क्रिकेट खेलते हैं और जीतने के बारे में सोचते हैं तो ऐसा नहीं होने वाला है। हालांकि पाटिल ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली सीरीज में 3-0 की हार भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी है। उन्होंने कहा कि सीरीज में यह हार एक चेतावनी की तरह थी। ऐसा नहीं है कि हमारी टीम खराब हो गयी है। कुछ महीने पहले उन्होंने टी20 विश्व कप जीता था। हमारी टीम में कुछ बड़े खिलाड़ी हैं जो इस हार से सबक लेकर दमदार वापसी करेंगे।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अल्जारी पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में गुस्सा दिखाते हुए मैदान छोड़ना भारी पड़ा है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अल्जारी पर दो मैच के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस मैच में अल्जारी ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जताते हुए मैदान छोड़ दिया था। ऐसे में टीम को कुछ समय के लिए 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा था। कुछ देर बार जोसेफ वापस मैदान में आए और उन्होंने अपने कोटे के 10 ओवर पूरे किए। मगर जोसेफ से रवैये से नाराजगी जताते हुए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने उन पर ये प्रतिबंध लगाया है। यह घटना इंग्लैंड की पारी के चौथे ओवर की है। अज्जारी कप्तान शाई होप की लगायी हुई फिल्डिंग से सहमत नहीं थे और उन्होंने इसे बदलने को कहा पर कप्तान इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसपर अल्जारी ने तेज गेंदबाजी करते हुए ओवर पूरा कर दिया और मैदान से बाहर चले गये।।

राहुल दूसरी पारी में अजीब तरीके से आउट हुए

मेलबर्न। बल्लेबाज केएल राहुल एक बार फिर असफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे में लय हासिल करने के लिए राहुल को भारत ए की टीम में शामिल किया गया था पर उन्होंने यहां भी निराश किया। राहुल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जहां पहली पारी में केवल चार रन ही बना पाये। वहीं दूसरी पारी में वह 44 गेंदों पर 10 रन ही बना पाये और अजीब तरीक से आउट हुए। दूसरी पारी में ऑफ स्पिनर कोरी रोच्चिचोली की गेंद लेग स्टंप के बाहर जा रही थी पर इसके बाद भी राहुल का ऑफ स्टंप उड़ा ले गयी। राहुल ने इस दौरान गेंद को से पैड से धकेलने का भी प्रयास किया पर वह सीधे विकेट में चली गयी। इस प्रकार से राहुल को आउट होते देख सभी हैरान हो गये। यहां तक कि कमेंटेटर भी कुछ समझ नहीं पाये। राहुल के बोल्ड होने के बाद कमेंटेटर ने कहा, मुझे नहीं पता कैसे लेकिन यह आउट है। गेंद राहुल के दोनों पैरों के बीच से होकर विकेट पर जा लगी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे राहुल ने 44 गेंदों पर 10 रन बनाये थे। इस प्रकार दूसरी पारी में भी भारतीय टीम लड़खड़ा गयी और उसके आधे खिलाड़ी 56 रनों के अंदर पेवेलियन लौट गये। अभिमन्यु ईश्वरन ने 17 रन जबकि साई सुदर्शन ने 3 रन बनाये। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने एक बार फिर निराश किया। वह 1 रन ही बना पाये।

भारतीय टीम वापसी करेगी, एक सीरीज हारने से खराब नहीं हो गयी : लाथम

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने भारतीय टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा है कि एक सिरीज हारने का मतलब ये नहीं है कि भारतीय टीम कमजोर हो गयी है। लाथम ने कहा कि भारतीय टीम अभी भी काफी अच्छी है और वह शानदार वापसी करेगी। लाथम की कप्तानी में भी कीवी टी ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम को 3-0 से हराया था। स्वदेश पहुंचने पर लाथम ने कहा, भारतीय क्रिकेट वास्तव में विशेष है। हमने उनके खिलाफ बहुत खेला है। हमारे खिलाड़ी आईपीएल में उनके साथ खेलते रहे हैं। वे निश्चित रूप से हार में भी उदार थे और वे अभी भी एक शीर्ष स्तर वाली टीम हैं। वे निश्चित रूप से एकाएक खराब टीम नहीं बन जाते हैं और मुझे भरोसा है कि वे समय के साथ हालातों को बदल देंगे। लाथम ने कहा कि सीरीज की जीत इसलिए भी हमारे लिए अच्छी रही क्योंकि हमें इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, जब हम कुछ सप्ताह श्रीलंका में थे, जहां चीजें हमारे अनुरुप नहीं थी तब भी हम निराश नहीं थे। ऐसे में मुझे लगता है कि जब आप कुछ ऐसा हासिल कर पाते हैं जो पहले हासिल नहीं हुआ, तो यह समय और भी खास हो जाता है। यह केवल जश्न मनाने के बारे में है। हमारे पास वहां ठीक होने के लिए कुछ अतिरिक्त दिन थे, इसलिए यह बहुत अच्छा था। न्यूजीलैंड टीम अब अपनी घरेलू धरती पर तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड का मुकाबला करेगी। इसी को लेकर और लाथम ने कहा कि अब आक्रामक क्रिकेट का सामना करना उनकी टीम को एक अलग प्रकार की चुनौती होग। इंग्लैंड अपनी आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक रोमांचक सीरीज होगी।

पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

-सीरीज 1-1 से बराबरी पर आई

एडीलेड (एजेंसी)। हारिस रऊफ , सैम अयूब और अब्दुल्ला शफीक के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां ऑस्ट्रेलिया को दूसरे एकदिवसीय मैच में 9 विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की है। इस मैच में पाक टीम ने जीत के लिए मिले 163 रनों के लक्ष्य को केवल एक विकेट के नुकसान पर ही 26.3 ओवर में हासिल कर लिया। यह आस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पाक टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवरों में ही 163 रनों पर समेट दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को आराम से हासिल कर लिया। पाकिस्तान की ओर हारिस रऊफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जबकि बल्लेबाजी में सैम अयूब ने सबसे अधिक 82 रन बनाए।

163 रनों के लक्ष्य को पाकिस्तान ने आसानी से हासिल कर लिया। शफीक और अयूब ने मिलकर पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़ बनाये। मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस इनपर दबाव नहीं डाल पाये। अयूब ने 71 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और छह छक्के शामिल थे। वहीं शफीक 69 गेंदों पर 64 रन बनाकर नाबाद रहे और बाबर आजम 20 गेंद पर 15 रन बनाकर नाबाद रहे। बाबर ने छक्का लगाकर पाक टीम को जीत दिलायी। मो रिजवान की कप्तानी में ये पाक टीम की पहली जीत है।

इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया जो सही रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में 163 रन ही बना पायी। स्टीव स्मिथ के अलावा सभी खिलाड़ी विफल रहे। स्मिथ ने सबसे अधिक 35 रन बनाये। अन्य बल्लेबाज 20 रनों तक भी नहीं बना पाये। राउफ ने आठ ओवर में 29 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि शाहीन अफरीदी ने 8 ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। नसीम को केवल एक विकेट मिला।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : कोको गॉफ को हराकर क्रेजिसिकोवा सेमीफाइनल में, स्वियातेक बाहर

रियाद । बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने कोको गॉफ को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक जीत दर्ज करने के बावजूद वर्ष के इस अंतिम टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। क्रेजिसिकोवा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली अंतिम खिलाड़ी है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, झेंग किनवेन और गॉफ पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी थी। विंबलडन चैंपियन क्रेजिसिकोवा ऑरेंज ग्रुप में शीर्ष पर रही और सेमीफाइनल में उनका मुकाबला झेंग से होगा। एक अन्य सेमीफाइनल में गॉफ पर्पल ग्रुप विजेता सबालेंका से भिड़ेंगी। स्वियातेक ने डारिया कसाटकिना को एक घंटे से भी कम समय में 6-1, 6-0 से हराया, लेकिन गॉफ की क्रेजिसिकोवा पर जीत से ही वह ऑरेंज ग्रुप से आगे बढ़ पाती।

ऑस्ट्रेलिया को हराते ही पाकिस्तान ने भारत को पछाड़ा, ये खास रिकॉर्ड तोड़ा

एडीलेड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 75 वनडे इंटरनेशनल मैच जीते हैं, इसके बाद इंग्लैंड का नाम आता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 53 मैच जीते हैं। पाकिस्तान तीसरे नंबर पर 41 मैचों मे जीत के साथ है। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 40 मैच जीते हैं। एशियाई टीमों में अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच तीन विकेट से जीता था।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीता और ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में ही 163 रनों पर ऑलराउडर हो गई। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। वहीं शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रनों का योगदान दिया। स्मिथ के अलावा किसी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 20 रन तक नहीं बनाए। 13 से 19 रनों के बीच बाकी बल्लेबाज आउट होते गए।

इसके जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में ही एक विकेट पर 169 बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सैम अयूब ने 82 रनों की पारी खेली, वहीं अब्दुल्ला शफीक ने 64 रन बनाए।

पूर्व पाक तेज गेंदबाज बोला, शफीक और अयूब किसी काम के नहीं

-पीसीबी की चयन प्रणाली पर उठे सवाल

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व पाक तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त ने कहा है टीम में शामिल दो बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सैम अयूब किसी काम के नहीं हैं। बख्त ने कहा कि इस प्रकार के खिलाड़ियों को रखने से कोई लाभ नहीं जो टीम पर एक प्रकार से बोझ से अधिक कुछ नहीं हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने टीम के खराब प्रदर्शन पर चिनता जतायी है और कहा कि अनभवी खिलाड़ी भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। पाक टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में हार का समना करना पड़ा था। बख्त ने वरिष्ठ और युवा दोनों खिलाड़ियों के खराबा फॉर्म पर नाराजगी जतायी है। इस पूर्व क्रिकेटर के बयान के बाद पाक टीम की चयन प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

1976 और 1989 के बीच पाकिस्तान के लिए 26 टेस्ट मैच और 27 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि अनुभवी होने के बाद भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान टीम को आगे नहीं ले जा पा रहे हैं। इससे इनकी नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठ रहे हैं। बख्त ने कहा कि बाबर और रिजवान टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, फिर भी वे कठिन समय में टीम को सही दिशा नहीं दे पा रहे। उन्होंने कहा कि मैच विजेता खिलाड़ी फखर जमान को टीम से बाहर किया जान भी एक गलत फैसला रहा। बख्त ने हालांकि गेंदबाज नसीम शाह के रवैये की प्रशंसा की। इस तेज गेंदबाज ने पहले एकदिवसीय में दबाव के बाद भी अच्छी गेंदबाजी की। नसीम की गेंदबाजी के कारण एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के हाथ से मैच निकलने लगा था पर अंत में कप्तान पैट कमिंस ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

प्रत्येक महीने ट्रेनिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएंगे नीरज चोपड़ा, इसलिए लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं की शुरुआती तैयारी शुरू करने की मुहिम में सत्र के इतर ट्रेनिंग के लिए इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम जाएंगे। ओलंपिक में 2 बार के पदक विजेता 26 वर्षीय नीरज अंतिम बार सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका के इस शहर में ट्रेनिंग के लिए 31 दिन रहेंगे। चोपड़ा की ट्रेनिंग का खर्चा खेल मंत्रालय उठाएगा।

मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह अपनी ट्रेनिंग जल्दी शुरू करेंगे और 31 दिन के लिए पोटचेफस्ट्रूम में रहेंगे। इसके अनुसार- नीरज की ट्रेनिंग का खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा जिसमें उनके और उनके फिजियोथेरेपिस्ट के दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान रहने, खाने-पीने और ट्रेनिंग का खर्च शामिल होगा। चोपड़ा ने पहले भी तोक्यो और पेरिस ओलंपिक से पहले कई बार पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग की है। उन्होंने जनवरी 2020 में भी वहां एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जो दुनिया भर में कोविड-19 महामारी फैलने से ठीक पहले हुई थी।

चोपड़ा पूरे वर्ष जांघ की मांसपेशियों की परेशानी से जूझते रहे जिससे पेरिस ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल में उनका प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से परामर्श लेने की बात कही थी ताकि वह इस समस्या से निजात पाने के लिए सर्जरी कराने या नहीं कराने पर फैसला ले सकें। लेकिन 27 सितंबर को पीटीआई से बात करते हुए चोपड़ा ने चोट की चिंताओं को खारिज कर दिया था और कहा था कि वह अपनी तकनीक सुधारने की कोशिश करेंगे।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के 3 साल बाद पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले इस स्टार एथलीट ने कहा था कि यह चोटों से घिरा हुआ वर्ष रहा लेकिन अब चोट ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह फिट रहूंगा। हाल में वह जर्मनी के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गये जिन्होंने पारिवारिक प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी के साथ अपनी पांच साल की साझेदारी समाप्त कर दी।

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

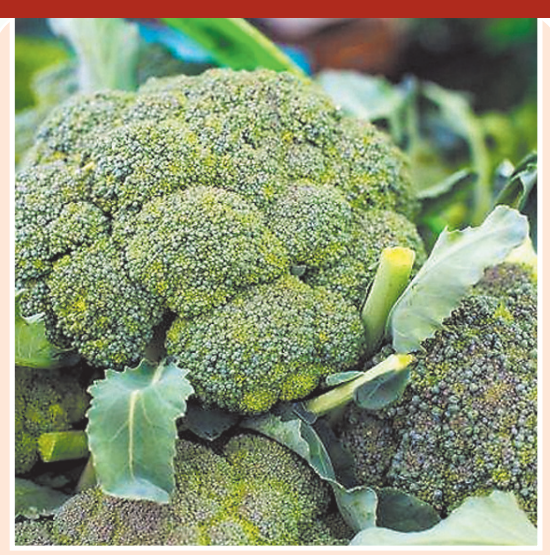

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भांति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेक्टीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिल्के के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोग तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

ट्रंप ने सूसी विल्स को चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया

वॉशिंगटन। हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आगामी प्रशासन के लिए सूसी विल्स को व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। सूसी इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं, जिससे यह नियुक्ति ऐतिहासिक बन गई है। ट्रंप ने अपने बयान में सूसी को 'कठोर, बुद्धिमान और नवोन्मेषी' बताया और कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूसी अमेरिका को गौरवान्वित करेंगी। ट्रंप की यह घोषणा उनकी टीम में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों की शुरुआत को दर्शाती है, और यह निर्णय उनकी सरकार की दिशा और कार्यप्रणाली का संकेत देता है। सूसी विल्स का करियर कई दशकों से अमेरिकी राजनीति में सक्रिय है। वह नेशनल फुटबॉल लीग के प्रसिद्ध खिलाड़ी और खेल प्रसारक पैट समरॉल की बेटी हैं और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1970 के दशक में न्यूयॉर्क रिपब्लिकन जैक केम्प के वाशिंगटन कार्यालय से की थी। इसके बाद, 1980 के दशक में सूसी ने रोनाल्ड रीगन के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भूमिका निभाई, जिससे उनकी राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण पहचान बनी। रीगन के अभियान के बाद वह फ्लोरिडा चली गईं, जहां उन्होंने जैक्सनविले के मेयरों और कई अन्य रिपब्लिकन नेताओं को सलाह दी और चुनावी अभियानों में सफलता हासिल की।

ट्रंप की जीत के बाद अमेंरिका छोड़ना चाहती हैं एलन मस्क की बेटी

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क की बेटी विवियन जेना विल्सन ने अमेरिका छोड़ने की बात कही है।चुनाव नतीजे के बाद ट्रांसजेंडर बेटी ने पोस्ट किया, मैंने कुछ समय पहले यह सोचा था, मगर अब इसकी पुष्टि भी हो गई है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना भविष्य नहीं देखती हूं। इसलिए अमेरिका छोड़ रही हूं। बता दें कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के लिए उनके सबसे प्रमुख समर्थकों में से एक एलन मस्क रहे हैं। ट्रंप की जीत में उनका अहम योगदान माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ उनके मार-ए-लागो रिसॉर्ट में चुनावी रात बिताई। ट्रंप की जीत लगभग निश्चित दिखाई देने के बाद मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिका के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप को आज रात बदलाव के लिए स्पष्ट जनादेश दिया।मस्क से अलग हो चुकी बेटी ने राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद यह कसम खाई। उन्होंने कहा कि भले ही वह केवल 4 साल के लिए पद पर रहें। भले ही ट्रांस-विरोधी नियम लागू न हों। जिन लोगों ने स्वेच्छा से इसके लिए मतदान किया, वे जल्द नहीं बदलने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में अपने विजय भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की प्रशंसा की थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों में से एक स्पेसएक्स की ओर से निर्मित रॉकेट की सफल लैंडिंग को याद करते हुए कई मिनट बिताए। बता दें कि एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम विवियन जेना विल्सन रखा लिया था। इसे लेकर मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे उनके बेटे को अलग कर दिया। इसके जवाब में विवियन कहा, मस्क का कहना था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं।

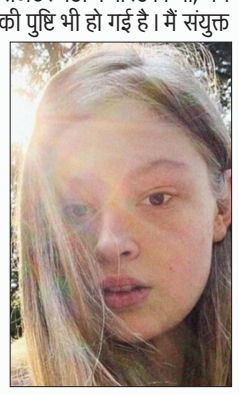

चीन दुनिया को दिखाएगा अपनी सैन्य ताकत,एचक्यू-19 एंटी बैलिस्टिक मिसाइल का होगा प्रदर्शन

बीजिंग। वैश्विक हथियारों की होड़ में चीन का पांचवीं पीढ़ी का जे-35ए फाइटर जेट पहले से ही सुर्खियों में है। अब चीन एक और आधुनिक हथियार का प्रदर्शन करने जा रहा है। आगामी झुहाई एयर शो (12-17 नवंबर) में चीन एचक्यू-19 एंटी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जिसे अमेरिका के टीएचएएडी (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एयर डिफेंस) का विकल्प माना जा रहा है। चीन मीडिया के अनुसार, इस एयर शो में जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट भी लोगों का ध्यान खींचेगा। एचक्यू-19 के बारे में माना जा रहा है कि यह बाहरी वायुमंडल में ही बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सिस्टम का पहली बार परीक्षण 2021 में हुआ था और यह चीन की सैन्य सेवाओं में शामिल हो चुका है। इसकी सीमा 1000 से 3000 किलोमीटर तक होने का अनुमान है, जो इसे लंबी दूरी की रक्षा प्रणाली बनाता है। मिलिट्री विशेषज्ञों का मानना है कि एचक्यू-19 अमेरिकी और रूसी एस-400 के समकक्ष है। यह हिट-टू-किल तकनीक का उपयोग कर सकता है, जो मिसाइल को लक्ष्य पर सटीकता से मार गिराने की क्षमता देती है। इस तकनीक को अब तक अमेरिकी इंटरसेप्टर मिसाइलों के लिए प्रमुख माना जाता था। अमेरिकी रक्षा विभाग की 2020 और 2021 की रिपोर्टों में भी चीन के इस मिलिट्री प्रोग्राम का उल्लेख किया गया था, जिसमें इसे बैलिस्टिक मिसाइल सुरक्षा के लिए सक्षम प्रणाली बताया गया है। झुहाई एयर शो चाइना 2024, दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में आयोजित होने जा रहा है, और यह इस शो का 15वां संस्करण होगा। दुनियाभर के रक्षा विशेषज्ञ और देशों की नजरें इस शो पर होंगी, जहाँ चीन की आधुनिक रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

देश के नागरिक प्रतिबद्धता के साथ फिर जुड़ें, हम स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे

ट्रंप की जीत के बाद पत्नी मेलानिया ने अमेरिकियों से की एकता की बात

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने पर उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- अधिकांश अमेरिकियों ने हमें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। हम अपने गणतंत्र की दिल से स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे। एकता और देशवासियों की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे देश के नागरिक प्रतिबद्धता के साथ फिर से जुड़ेंगे और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, आर्थिक समृद्धि, और सुरक्षा के लिए विचारधारा से ऊपर उठेंगे। बता दें कि बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह हारने होने के बाद फिर चुने जाने वाले अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति बने गए हैं, इससे पहले यह रिकॉर्ड ग्रोवर क्लीवलैंड के पास था, जिन्होंने 1892 में दूसरी बार चुनाव जीते थे। डोनाल्ड ट्रंप 78 साल की उम्र में व्हाइट हाउस में कदम रखने वाले सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे। ट्रंप की यह जीत इसलिए खास है क्योंकि इस बार रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में भी बहुमत हासिल कर लिया है। गुरुवार को फ्लोरिडा में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी जीत का एलान किया और इसे अमेरिका का स्वर्ण युग बताया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने का अवसर देगी।

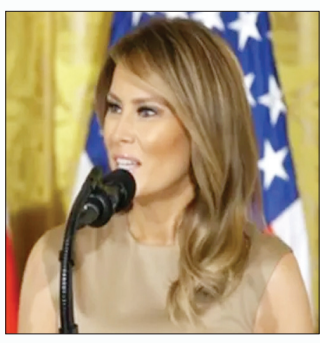

कैलीफोर्निया में एक पहाड़ी पर लगी आग के बीच ही उड़ता हुआ हेलीकॉप्टर।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने का चीन से संबंधों पर नहीं होगा असर

-पाकिस्तान ने कहा- अमेरिका हमारा मित्र व साझेदार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के नए राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन से चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका पुराना मित्र व साझेदार है। यह बात पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कही। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई दी है। अमेरिका के साथ हमारे संबंध दशकों पुराने हैं। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध हर क्षेत्र में और भी मजबूत और व्यापक होंगे। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा और आपसी हित के कई अन्य क्षेत्रों में गहरा सहयोग है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के किसी भी नए राष्ट्रपति का चुनाव पाकिस्तान-चीन संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालेगा, क्योंकि पाकिस्तान और चीन के बीच का संबंध आयरन ब्रदरहुड के रूप में स्थापित है। बलोच ने स्पष्ट किया कि चीन के साथ पाकिस्तान के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक हैं। अमेरिका के साथ मजबूत संबंध होने के बावजूद, पाकिस्तान की चीन के प्रति नीतियों में किसी तरह का बदलाव नहीं आएगा। पाकिस्तान के इस रुख से यह साफ है कि वह चीन और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहता है।

बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों में भय का माहौल

-हिंदुओं पर हमले के बाद भारत और अमेरिका ने जताई चिंता

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालही में हुए हमलों के चलते वहां के हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय में भय का माहौल है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों की खबर पर भारत व अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश से चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन हमलों की निंदा करते हुए बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि इस हिंसा के पीछे सोशल मीडिया पर फैलाई गई भड़काऊ पोस्ट्स का हाथ है। इन घटनाओं की गूंज अमेरिका तक भी पहुंची है। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी विदेश विभाग से आग्रह किया है कि वे बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। अमेरिकी विदेश विभाग ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में एक मुस्लिम दुकानदार द्वारा इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉनशस्नेस) पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी के बाद हिंसा भड़क गई, जिससे कई लोग घायल हो गए और इलाके में तनाव फैल गया।

हिंदू समुदाय की सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय दबाव

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलनों के दौरान मंदिरों पर हमले और तोड़-फोड़ की घटनाओं की बढ़ोतरी हुई है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ता दिख रहा है, जिससे बांग्लादेश सरकार पर दबाव बन रहा है। स्थिति पर बांग्लादेश सरकार की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बाद उम्मीद है कि अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि इस समुदाय के लोगों में सुरक्षा का भाव लौट सके।

पुतिन ने ट्रंप को जीत पर दी बधाई, बातचीत को तैयार

-अमेरिका के प्रति बदल रहा नजरिया

मास्को (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बधाई देते हुए कहा कि मॉस्को रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। सूत्रों की माने तो ट्रंप के आने से अमेरिका के प्रति पुतिन का नजरिया बदल सकता है। पुतिन ने कहा, मैं इस मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत पर उन्हें बधाई देता हूं। मैंने पहले भी कहा था कि हम किसी भी राष्ट्र प्रमुख के साथ काम करेंगे जिस पर अमेरिकी लोगों को भरोसा है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पुतिन की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी। उन्होंने 14 जुलाई को पेंसिल्वेनिया की चुनावी रैली में ट्रंप की हत्या के प्रयास के दौरान साहस दिखाने के लिए उनकी तारीफ की। ट्रंप की हत्या के प्रयास पर उन्होंने कहा, मेरी राय में उन्होंने बहुत सही बर्ताव किया। एक असली आदमी की तरह साहस दिखाया। पुतिन ने यूक्रेन संकट को समाप्त करने में मदद करने के लिए रूस से संबंधों को बहाल करने की उनकी इच्छा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टिप्पणियां कम से कम ध्यान देने योग्य हैं।

आइए जानते हैं यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप का रुख

ट्रंप कीव और मॉस्को को युद्ध विराम के लिए मजबूर करने कर सकते हैं। इसे लेकर कोई स्थायी समझौता भी हो सकता है। इसमें रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों के लिए एक व्यवस्था होगी, जहां 2014 में क्रीमिया का विलय और फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से कब्जा किए गए क्षेत्र शामिल हैं। संभावना है कि ट्रंप भविष्य में यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मांगों को स्वीकार कर लें। नाटो के प्रति ट्रंप के नकारात्मक रवैये के मद्देनजर यह कीव के यूरोपीय सहयोगियों पर भी महत्वपूर्ण दबाव होगा। ट्रंप एक बार फिर यूरोपीय देशों को यूक्रेन के मुद्दे पर पुतिन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए गठबंधन छोड़ने की धमकी दे सकते हैं।

अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जाना होगा

-राष्ट्रपति चुने जानें के बाद डोनाल्ड ट्रंप का चुनावी वादे पर जोर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनावी वादों में शामिल अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजने के मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि उनका उद्देश्य अमेरिकी सीमा को मजबूत और शक्तिशाली बनाना है, ताकि केवल वैध तरीके से प्रवासियों का प्रवेश हो सके। अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जाना होगा।

नवनिर्वाचित ट्रंप ने कहा, हम चाहते हैं कि लोग हमारे देश में आएं, लेकिन यह वैध तरीके से होना चाहिए। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद अपने पहले इंटरव्यू में ट्रंप कहा कि वह किसी को देश में घुसने से नहीं रोकते, बल्कि वह चाहते हैं कि सभी लोग कानूनी तरीके से आएं। जब उनसे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर भेजने में आने वाली लागत के बारे में सवाल किया गया, तो ट्रंप ने कहा कि इसके लिए लागत कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, लोगों ने हत्या की है, ड्रग माफियाओं ने देशों को नष्ट कर दिया है, इसलिए ऐसी स्थिति में वापस भेजने की कीमत कोई बड़ा सवाल नहीं है।

बाइडेन व कमला के साथ बातचीत को सम्मानजनक बताया

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अपनी बातचीत को बहुत अच्छी और बहुत सम्मानजनक बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें बाइडेन के साथ लंच करने की उम्मीद है, जो अमेरिका के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण होगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की सहित 70 विश्व नेताओं से बातचीत की है, लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अभी तक नहीं।

ऑस्ट्रेलिया का दौरा पूरा कर सिंगापुर पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

सिंगापुर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को सिंगापुर पहुंचे। वे ऑस्ट्रेलिया का सफल दौरा पूरा करने के बाद सिंगापुर पहुंचे हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग से मुलाकात की, जिसमें औद्योगिक पार्क, हरित ऊर्जा, कौशल विकास, नवाचार और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। जयशंकर का यह दौरा भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से है। उनके सिंगापुर दौरे के दौरान आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन) - इंडिया नेटवर्क ऑफ थिंक टैंक्स के आठवें गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वे सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व के साथ मिलकर दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के मार्ग तलाशेंगे। सिंगापुर में जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा, सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग से मुलाकात कर सिंगापुर की यात्रा की शुरुआत की। जयशंकर की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है, जिससे भारत और सिंगापुर की सामरिक साझेदारी को और अधिक विस्तार मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के कूटनीतिक मिशन को बढ़ाते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यह यात्रा भारत की वैश्विक छवि को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास है, जिसमें भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है।

ट्रंप सरकार में प्रमुख चेहरे होंगे शामिल, भारतीय मूल के कश्यप बन सकते हैं सीआईए प्रमुख

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर साबित कर कर दिया कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने की ताकत रखते हैं उन्होंने इस चुनाव में दमदार वापसी की है। 34 आरोपों में दोषी पाए दिए जाने के बावजूद ट्रंप ने 292 निर्वाचक मंडल वोट हासिल किए हैं, जिसे अमेरिकी राजनीति में सबसे बड़ी वापसी माना जा रहा है। ट्रंप सरकार में कई प्रमुख चेहरों को अहम जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय मूल के कश्यप काश पटेल विशेष रूप से चर्चाओं में है। ट्रंप उन्हें अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) का प्रमुख बना सकते हैं। वहीं स्कॉट बेसेंट को ट्रंप सरकार का प्रमुख आर्थिक सलाहकार नियुक्त किया जा सकता है। स्कॉट, न्यूयॉर्क स्थित स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट के सीईओ रहे हैं और वित्तीय क्षेत्र में उनका अनुभव ट्रंप सरकार के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल को विदेश नीति की जिम्मेदारी दी जा सकती है। ग्रेनेल की विदेश नीति में गहरी समझ और विदेशी नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। वह यूक्रेन में स्वायत्त क्षेत्र की स्थापना का समर्थन करने को लेकर भी चर्चा में रहे। डिफेंस की कमान माइक वाल्ट्ज को मिल सकती है। वाल्ट्ज अमेरिकी सेना में कर्नल हैं और ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। उनका भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण माना जाता है। वित्त मंत्रालय की कमान संभालने के लिए जॉन पॉलसन का नाम सबसे ऊपर है। साथ ही लैरी कुडलो, रॉबर्ट लाइटहाइजर और हावर्ड लुटनिक के नाम भी दावेदारों में शामिल हैं। इन नामों के साथ, ट्रंप अपनी नई सरकार में अनुभवी और वफादार सहयोगियों को अहम पदों पर नियुक्त कर सकते हैं।

235 साल बाद भी अमेरिका को नहीं मिल रही महिला राष्ट्रपति, उठने लगे सवाल

-भारत-पाकिस्तान समेत कई देशों में महिलाएं संभाल चुकी हैं देश की बागडोर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव परिणामों ने एक बार फिर अमेरिका में महिला राष्ट्रपति बनने की संभावना को खत्म कर दिया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप इस दौड़ में विजयी रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस पीछे रह गईं। इस चुनाव ने अमेरिका के लोकतांत्रिक स्वरूप पर फिर सवाल उठ रहे हैं, खासकर महिला नेतृत्व को लेकर।

इतिहासकारों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विक्टोरिया वुडहुल 1872 में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनने वाली पहली महिला थीं। अमेरिका को अब तक अपनी पहली महिला राष्ट्रपति नहीं मिल पाई है, जबकि देश में ज्यादातर उच्च पदों पर महिलाओं ने सफलता हासिल की है। यह 235 सालों से ज्यादा का समय हो चुका है, और अब तक कोई महिला अमेरिका का सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति की कुर्सी पर नहीं बैठ पाई है।

अमेरिका में कई उच्च पदों पर महिलाएं रही हैं, जैसे संसद के दोनों सदनों में महिलाओं की उपस्थिति और कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनकी भूमिका रही है, लेकिन जब बात राष्ट्रपति पद की आती है, तो अमेरिका का रिकॉर्ड शून्य है। 2016 में हिलेरी क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह ट्रंप से हार गईं थीं। हालांकि, उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख ज्यादा पॉपुलर वोट मिले थे, लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के बहुमत के कारण ट्रंप की जीत मिली थी।

इसके विपरीत अन्य देश इस मुद्दे पर अमेरिका से कहीं आगे हैं। 1960 में श्रीलंका ने सिरीमावो भंडारनायके को पीएम बनाकर इतिहास रचा था। वह दुनिया की पहली महिला थीं, जिन्हें किसी देश का प्रमुख चुना गया। इसके छह साल बाद भारत ने 1966 में इंदिरा गांधी को पीएम पद पर आसीन किया था। इंदिरा गांधी को आज भी भारत के सबसे ताकतवर प्रधानमंत्रियों में गिना जाता है। पाकिस्तान ने 1988 में बेनजीर भुट्टो को पीएम बनाकर महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ने का उदाहरण पेश किया था।

अमेरिका में महिलाओं की राजनीति में भागीदारी के बावजूद सर्वोच्च पद पर किसी महिला का न होना इस लोकतंत्र पर सवाल खड़े करता है। क्या अमेरिका अपनी पितृसत्तात्मक व्यवस्था से बाहर निकलकर एक महिला को राष्ट्रपति बनाने के लिए तैयार है? यह सवाल अब भी बना हुआ है, और इसके जवाब की तलाश अमेरिकी समाज को करनी होगी।

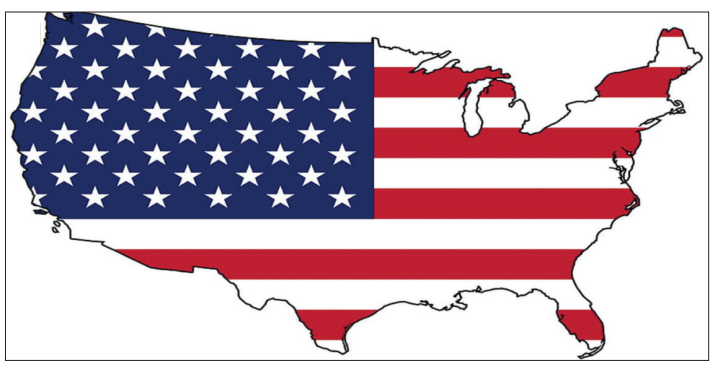

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में महंगाई से ज्यादा, युद्ध और अपराधिक हिंसा की चिंता पहले नंबर पर

नई दिल्ली। भारत सहित दुनिया के सभी देशों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। अभी तक महंगाई सबसे बड़ी चिंता बनी हुई थी। लेकिन अब महंगाई के स्थान पर युद्ध और अपराधिक घटनाओं में हिंसा बढ़ने की चिंता लोगों को सबसे ज्यादा हो गई है। वैश्विक मार्केट रिसर्च फॉर्म ईप्सोस ने जो सर्वे किया है। उसके अनुसार रूस यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह की आशंका बनी है। भारत जैसे देशों में हिंसा और अपराध जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उसने लोगों की चिंताएं, महंगाई से हटाकर अपराध और हिंसा को लेकर चिंतित कर दिया है। भारत में किए गए सर्वे में 78ब भारतीयों ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को बेहतर बताया है। दुनिया के अन्य देशों में 61 फ़ीसदी लोगों का मानना है,आर्थिक हालत खराब हो रही है। जापान में यह संख्या 86 फ़ीसदी पाई गई है। सारी दुनिया के देशों में सर्वे में एक बात नए रूप से सामने आई है। महंगाई से ज्यादा अब लोगों को अपराध,हिंसा और वैश्विक युद्ध की संभावना बनी हुई है। उसने चिंता में डाल दिया है। सर्वे में पहले नंबर पर युद्ध की आशंका अपराध और हिंसा माना गया है।दूसरे नंबर पर महंगाई को माना गया है।तीसरे नंबर पर गरीबी और असमानता को लेकर चिंता प्रकट की गई है। चौथे नंबर पर बेरोजगारी को लेकर चिंता जताई गई है। राजनीतिक भ्रष्टाचार को पांचवें नंबर पर सर्वे एजेंसी ने रखा है।

चुनाव से पहले महाराष्ट्र के मांडवी में पकड़ी गई 2.80 करोड़ रुपये से भरी एक वैन

मुंबई। मांडवी पुलिस ने कनेर चौकी चेक पोस्ट के पास एक वैन को रोका और उसमें से 2 करोड़ 80 लाख रुपये बरामद किए। बता दे कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव है और राजनैतिक दल चुनाव प्रचार में लगे हैं और वोटरों को प्रभावित करने में चुनावी वादे कर रहे हैं। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने अक्टूबर में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के अनुसार, राज्य में कुल 9.63 करोड़ मतदाता हैं। पुलिस ने बताया कि वैन के कर्मचारियों से जब पूछताछ की गई, तो वे कैश के बारे में सही जानकारी देने में असमर्थ रहे, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत चुनाव आयोग की टीम को सूचित किया और कैश को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि वैन में रखे गए इस कैश को लेकर कर्मचारियों ने दावा किया कि यह एटीएम में भरने के लिए ले जाया जा रहा था। कर्मचारियों के अनुसार, यह वैन सीएमएस कंपनी की थी, जो रोजाना विभिन्न बैंकों के एटीएम में कैश ट्रांसफर करती है। हालांकि, कर्मचारियों द्वारा सही जानकारी नहीं देने पर पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए चुनाव आयोग को सूचित किया।

जोधपुर में ब्यूटीशियन का हत्यारा मुंबई से गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी (50) की निर्मम हत्या के बाद शव के टुकड़े-टुकड़े कर उसे छिपाने के मामले में आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गुलामुद्दीन पिछले नौ दिनों से फरार था और उसे वीपी रोड पुलिस थाने के अधिकारियों और राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण मुंबई से गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हत्या का मकसद अनीता के सोने के आभूषणों को लूटना था। गुलामुद्दीन ने अनीता को अक्टूबर के अंत में अपने घर बुलाकर उसकी हत्या की और फिर शव के टुकड़े कर उसे अपने घर के पास 10 फुट गहरे गड्ढे में छिपा दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना का खुलासा 28 अक्टूबर को हुआ। पुलिस ने बताया कि अनीता के गायब होने के बाद जांच में यह जानकारी मिली कि वह आखिरी बार गुलामुद्दीन के घर गई थी। गुलामुद्दीन की पत्नी ने बताया था कि उसके पति ने ही हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस ने उसकी पत्नी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। हत्या के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए गुलामुद्दीन मुंबई में छिपा हुआ था, लेकिन पुलिस ने उसकी जानकारी जुटाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सीएम सुक्खू के लिए मंगाए समोसे स्टाफ में बांट दिए, हो गया विवाद

-बीजेपी ने कसा तंज-सरकार को खानपान की चिंता, विकासात्मक कार्यों की नहीं

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए होटल से मंगवाए गए समोसे और केक को उनके स्टाफ में बांटने के बाद विवाद हो गया है। इस घटना पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी का कहना है कि राज्य की जनता परेशान है, लेकिन सरकार को केवल सीएम के खानपान की चिंता है, न कि विकासात्मक कार्यों की। यह घटना 21 अक्टूबर को सीआईडी दफ्तर में सीएम सुक्खू के दौरे के दौरान हुई, जब एक होटल से सीएम के लिए समोसे और केक मंगवाया गया था। गलती से ये समोसे सीएम के बजाय उनकी सुरक्षा टीम को बांट दिए गए। इस गड़बड़ी के बाद सीआईडी ने जांच शुरू की और इसको सरकार विरोधी कृत्य बताया। बीजेपी विधायक और मीडिया विभाग के प्रभारी रणधीर शर्मा ने इस घटना पर तंज कसते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता गंभीर समस्याओं से जूझ रही है और सरकार को केवल सीएम के समोसे की चिंता है। यह हास्यास्पद है कि सरकार का ध्यान विकास कार्यों पर नहीं, बल्कि छोटे से मुद्दे पर है। सीआईडी जांच में पता चला है कि समोसे और केक के तीन डिब्बे होटल से मंगवाए गए थे, लेकिन डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी ने इस आदेश को सही तरीके से लागू नहीं किया। एसआई और एएसआई को नाश्ता लाने का काम सौंपा गया था, लेकिन उन्हें यह स्पष्ट नहीं था कि ये डिब्बे सीएम के लिए हैं। पर्यटन विभाग के कर्मचारियों से इस बारे में सलाह ली, लेकिन उन्हें बताया गया कि यह मेनू का हिस्सा नहीं है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। जांच में यह भी सामने आया कि महिला इंस्पेक्टर ने वरिष्ठ अधिकारी से पुष्टि किए बिना इन डिब्बों को मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट सेक्शन को भेज दिया।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा को सबक सिखाने बनाया मास्टर प्लान

- फाइव-आइज देशों के सहयोग से पीएम ट्रूडो पर बनाया जाएगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच तनाव बना हुआ है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भारत को अपने दुश्मन देशों की सूची में डाल दिया है। इस पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा को सबक सिखाने मास्टर प्लान तैयार किया है। जयशंकर जो भारत की विदेश नीति के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते हैं, इस समय वैश्विक कूटनीति में सक्रिय हैं और उनका मुख्य लक्ष्य कनाडा पर दबाव बनाना है।

जयशंकर की रणनीति में फाइव-आइज देशों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फाइव-आइज एक खुफिया संगठन है, जिसमें अमेरिका, कनाडा, ऑस्?ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूनाइटेड किंगडम (यूके) शामिल हैं। इन देशों के बीच खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान होता है और जयशंकर का मानना है कि इन देशों के जरिए से कनाडा पर दबाव डाला जा सकता है।

विशेष रूप से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच मजबूत रिश्ते को ध्यान में रखते हुए जयशंकर यह उम्मीद करते हैं कि ट्रंप के समर्थन से कनाडा पर प्रभाव डाला जा सकता है। कनाडा में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस का प्रसारण हुआ था। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और यह मामला कनाडा के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परेशानी का कारण बन सकता है। ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के संबंध बेहद मजबूत हैं, और ऐसी घटनाएं कनाडा के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है।

ब्रिटेन जो कि फाइव-आइज का सदस्य है, कनाडा के रुख को लेकर पहले भारतीय पक्ष में नहीं था, लेकिन भारत के कड़े रुख के बाद ब्रिटेन ने कनाडा से हरदीप सिंह निज्जर हत्या की जांच में सहयोग की मांग की। भारत और ब्रिटेन के बीच अच्छे संबंध हैं, और यह स्थिति ब्रिटेन को भारत के पक्ष में लाने में मददगार साबित हो सकती है।

इस समय न्यूजीलैंड की स्थिति तटस्थ है और इसका भारत की कूटनीतिक रणनीति पर ज्यादा असर नहीं दिखता है। हालांकि, जयशंकर की प्राथमिकता फाइव-आइज के प्रमुख देशों के जरिए कनाडा पर दबाव बनाने की है ताकि भारत के हितों की रक्षा की जा सके। इस तरह जयशंकर की रणनीति कनाडा पर कूटनीतिक दबाव बनाने की ओर अग्रसर है, और भारत की विदेश नीति में यह एक अहम मोड़ साबित हो सकता है।

जगदंबिका पाल के कर्नाटक दौरे पर ओवैसी ने उठाए सवाल

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के कर्नाटक दौरे पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा कि समिति का काम केवल वक्फ विधेयक का अध्ययन करना है, न कि अन्य मसलों पर ध्यान देना। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को इस मुद्दे का संज्ञान लेना चाहिए और समिति के एकपक्षीय रवैये पर कार्रवाई करनी चाहिए। ओवैसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, वक्फ विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने हालही में कर्नाटक में कुछ स्थानीय मुद्दों के संबंध में दौरा किया। यह समिति का काम नहीं है। उनका कार्य केवल विधेयक का अध्ययन करना है। उन्होंने यह भी कहा कि समिति पहले ही कर्नाटक में परामर्श कर चुकी है और अब इस मुद्दे को उठाना अनुचित है।

किसानों की शिकायत- हमारी भूमि को बता रहे वक्फ की संपत्ति

जगदंबिका पाल को कर्नाटक के उत्तरी जिलों के किसानों से 500 से अधिक याचिकाएं मिलीं। किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी निजी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे उनकी संपत्तियों पर संकट मंडरा रहा है। इस पर सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह मामला किसानों के लिए गंभीर है और उनकी शिकायतों का सही तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। यह विवाद उस समय सामने आया है जब वक्फ विधेयक 2024 पर संसद में चर्चा जारी है। अब देखना यह होगा कि लोकसभा अध्यक्ष इस मामले पर क्या कदम उठाते हैं।

'संडे मार्केट' ग्रेनेड हमला मामले में बड़ा एक्शन, लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकी सहयोगियों को श्रीनगर में ग्रेनेड हमले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया और 12 नागरिक घायल हो गए। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन वीके बर्डी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उसामा यासीन शेख, उमर फैयाज शेख और अफनान मंसूर शेख के रूप में की गई है। तीनों शहर के इखराजपोरा इलाके के हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने तीन आतंकी सहयोगियों की गिरफ्तारी के साथ मामले को सुलझा लिया है।

बिरदी ने यह भी बताया कि यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं के इशारे पर किया गया था, जिनका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और शांति को भंग करना था। तीनों आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ यूएपीए [गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम] के तहत मामला दर्ज किया गया है। आतंकवादियों ने क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के प्रयास में एक साप्ताहिक कबाड़ी बाजार में एक फ्लाईओवर से हथगोले फेंके। ग्रेनेड एक अर्धसैनिक वाहन के पास गिरे और फट गए, जिससे 12 नागरिक घायल हो गए।

रविवार का हमला जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों और मुठभेड़ों की एक श्रृंखला की पृष्ठभूमि में हुआ, जब 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पहली निर्वाचित सरकार ने 16 अक्टूबर को शपथ ली थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा बलों से क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी संगठनों को जोरदार जवाब देने और उन्हें कुचलने के लिए कहा था।

एनसीपी नेता अजित पवार ने योगी के हिंदुत्ववादी बयानों से किया किनारा

-कहा-बीजेपी स्टार प्रचारकों से नहीं कराएंगे चुनाव प्रचार, मोदी-शाह की रैली भी नहीं

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी के अध्यक्ष अजित पवार ने चुनावी रणनीति को लेकर कुछ फैसले लिए हैं। उन्होंने बीजेपी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्ववादी बयानों से किनारा कर लिया है और अब उन्होंने पीएम मोदी से भी अपनी विधानसभा बारामती में प्रचार करने की अपील नहीं की है। अजित पवार का कहना है कि बारामती में परिवार के बीच ही चुनावी लड़ाई है, क्योंकि वह अपने भतीजे युगेंद्र पवार के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं।

अजित पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं, जैसे अमित शाह को अपनी चुनावी सभाओं से दूर रखने का फैसला लिया है। उनका मानना है कि प्रचार के लिए समय की कमी और चुनाव खर्च की सीमा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा उनका यह भी कहना है कि बारामती में बीजेपी नेताओं के हिंदूत्ववादी बयान से उनकी पार्टी के वोटर नाराज हो सकते है, इसलिए उन्होंने इसे टालने का फैसला लिया है।

पीएम मोदी का चुनावी अभियान शुक्रवार से शुरू हो गया है और वह 9 नवंबर को अकोला और नांदेड़ में रैलियां करेंगे। साथ ही बीजेपी के अन्य नेता जैसे अमित शाह भी चुनावी सभाओं में हिस्सा लेंगे, लेकिन अजित पवार की रणनीति के तहत इन नेताओं को उनकी पार्टी के चुनावी क्षेत्रों से दूर रखा जाएगा। अजित ने अपनी चुनावी स्थिति को लेकर आत्मविश्वास दिखाते हुए कहा कि वह बारामती में अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से निश्चिंत हैं और उम्मीद जताई कि जीत का अंतर बड़ा होगा।

2019 के राज्य चुनावों में उन्होंने रिकॉर्ड 1.65 लाख वोटों से जीत हासिल की थी, लेकिन बीजेपी के साथ गठबंधन के बाद उन्हें कुछ परंपरागत वोटरों से नुकसान हुआ था। अब वह महायुति के साथ रणनीतिक रूप से हैं, लेकिन अपनी पारंपरिक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते हैं। अजित पवार की यह रणनीति आगामी चुनावों में उनके लिए कितनी फायदेमंद साबित होगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

मरियम के आह्वान के बाद 'जलवायु कूटनीति' पर पाकिस्तान से कोई संदेश नहीं मिला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम ने भारत के साथ मिलकर वायु प्रदूषण के मुद्दे को सुलझाने के लिए जलवायु कूटनीति का आह्वान करने कुछ दिन बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर इस्लामाबाद की ओर से अभी तक कोई औपचारिक संदेश नहीं मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने हाल में भारत के साथ जलवायु कूटनीति का आह्वान किया और कहा कि वह जल्द ही भारत में पंजाब के सीएम भगवंत मान को संयुक्त रूप से धुंध के मुद्दे पर हल निकालने के लिए पत्र लिखेंगी। सीमा के दोनों तरफ के शहरों को प्रभावित करने वाले वायु प्रदूषण के मुद्दे से संबंधित प्रश्न का संदर्भ देते हुए जायसवाल ने कहा कि जलवायु कूटनीति पर आपके प्रश्न के संबंध में अभी तक हमें पाकिस्तान की ओर से कोई औपचारिक संदेश नहीं मिला है।

बिहार सीएम नीतीश के बेटे की सादगी और विनम्रता ने लोगों का दिल जीता

- वीडियो वायरल, लोगों बोले- निशांत, नीतीश कुमार की फोटो कॉपी

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार इन दिनों सुर्खियों में हैं। निशांत का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक दुकान पर स्पीकर खरीदते नजर आ रहे हैं। जब मीडिया ने उन्हें घेर लिया और सवाल-जवाब शुरू किए, तो निशांत ने अपनी सादगी और विनम्रता से लोगों का दिल जीत लिया।

यह वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है और सोशल मीडिया पर उनकी सादगी की खूब तारीफ हो रही है। एक यूजर ने लिखा- ये है रियल सुपुत्र, तो वहीं दूसरे ने कहा कि मां कसम दिल जीत लिया राधे-राधे। एक ने निशांत को अति सुंदर और अच्छे विचारों वाला बताया। सिद्धार्थ जैन ने कमेंट करते हुए लिखा- इस बेटे का बहुत बड़ा योगदान है, क्योंकि उनके कारण कभी भी नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन पर परिवारवाद का सवाल नहीं उठा।

निशांत के बारे में कहा जा रहा है कि वह राजनीति से दूर हैं और कभी भी कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं करते हैं। वह बचपन से पढ़ाई में तेज हैं और अपनी सादगी के लिए पहचाने जाते हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की हमें तो लगता है कि उन्हें राजनीति में आना चाहिए। तेजस्वी यादव और निशांत के बीच राजनीति में टक्कर हो सकती है। वहीं कुछ लोगों ने निशांत को नीतीश कुमार की फोटो कॉपी बताया है। इससे पहले यह खबरें आई थीं कि निशांत राजनीति में एंट्री कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर कहा था कि उनकी राजनीति में रुचि नहीं हैं। उनका ज्यादा समय धर्म और अध्यात्म में गुजरता है। निशांत कुमार का यह वीडियो यह साबित करता है कि वह अपनी सादगी और नेक विचारों के कारण लोगों के दिलों में खास स्थान रखते हैं, और उनके पिता के राजनीतिक करियर पर भी उनका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर, यह नोटबंदी की असफलता का नतीजा : अखिलेश

-नोटबंदी के 8 साल पूरे होने पर सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी के 8 साल पूरे होने पर बीजेपी सरकार को घेरा। अखिलेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा- नोटबंदी को भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी की नाकामयाबी का असर अब तक महसूस किया जा रहा है, और एक दिन पहले ही रुपया डॉलर के मुकाबले अपनी सबसे कमजोर स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह नोटबंदी की असफलता का नतीजा है, या फिर बीजेपी की नकारात्मक नीतियों का परिणाम?

सपा प्रमुख ने पूछा कि क्या अब बीजेपी यह कहेगी कि रुपया डॉलर के मुकाबले गिरा नहीं है, बल्कि डॉलर ऊपर उठ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था में बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि रुपया कहे, आज का, नहीं चाहिए बीजेपी।

गौरतलब है कि 8 नवंबर 2016 को पीएम नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर कर दिया था, जिससे पूरे देश में बैंकों और एटीएम के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग गई थीं। इसका मुख्य उद्देश्य कालाधन पर नियंत्रण और डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देना बताया था लेकिन नोटबंदी के फैसले की व्यापक आलोचना हुई और इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा और व्यापार में नुकसान उठाना पड़ा था।

तीन करोड़ लोगों ने एक दिन में किया ट्रेन में सफर, रेलवे ने रचा इतिहास

-त्योहारी सीजन के चलते रेल यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ट्रेनों में रोज लाखों यात्री सफर करते हैं और इसमें आए दिन इजाफा हो रहा है। भारतीय रेलवे ने 4 नवंबर 2024 को एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें तीन करोड़ से ज्यादा यात्री ट्रेन से यात्रा करने के लिए बोर्डिंग करते थे। यह भारतीय रेल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और रेल मंत्रालय ने इसे देश के रेल परिवहन के इतिहास में मील का पत्थर बताया है।

रेल मंत्रालय के मुताबिक 4 नवंबर को कुल 120.72 लाख नॉन-सबअर्बन यात्रियों ने यात्रा की। इसमें 19.43 लाख यात्री आरक्षित और 101.29 लाख यात्रियों ने अनारक्षित श्रेणी में सफर किया। इसके अलावा 180 लाख सबअर्बन यात्रियों को भी सफर कराया गया, जिससे कुल संख्या तीन करोड़ के आंकड़े को पार हो गई। इस उपलब्धि को हासिल करने का समय विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह भारतीय रेल के व्यस्ततम महीनों में से एक था, जब त्योहारी सीजन के चलते यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा जैसे त्योहारों के दौरान लाखों लोग एक राज्य से दूसरे राज्य की यात्रा करते हैं और ऐसे में ट्रेन यात्रा का सबसे लोकप्रिय विकल्प है।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की भारी संख्या को संभालने के लिए विशेष उपाय किए। खासकर त्योहारी सीजन में। रेलवे बोर्ड ने 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक 7,663 स्पेशल ट्रेन सेवाएं चलाई हैं, जो पिछले साल की तुलना में 73 फीसदी ज्यादा हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती संख्या को व्यवस्थित करने और उन्हें बेहतर सुविधा देने के लिए उठाया है। भारतीय रेलवे का यह रिकॉर्ड और प्रयास उसकी परिचालन कुशलता और यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर और अधिकारियों को हाईकोर्ट की नोटिस, बिना नोटिस के ही डिमोलिशन?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना ज़ोन-ए के वडोद इलाके में वर्षों से रह रहे परिवार को घर से बाहर निकालकर, सामान फेंककर घर का डिमोलिशन कर दिया गया। इस कार्रवाई में एक सात साल का बच्चा, जो बोल और सुन नहीं सकता और न ही खुद से खा सकता है, परिवार के साथ सड़कों पर भटकने को मजबूर हो गया। सूरत नगर निगम के अधिकारियों द्वारा बिना किसी नोटिस के घर तोड़ दिए जाने की शिकायत साधनाबेन बड़गुजर ने हाईकोर्ट में की। इस मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद, न्यायमूर्ति मौना भट्ट ने सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर और निगम के अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही, अगली सुनवाई के लिए १९ नवंबर की तारीख तय की है।

नोटिस दिए बिना ही डमोलिशन किया था।

सूरत के वडोद क्षेत्र स्थित सत्यनारायणनगर में एक महिला का लाखों रुपये का मकान, जिसमें ९६त्न अपंगता वाला एक बच्चा और उसके परिवारजन रहते थे, बिना किसी कानूनी नोटिस या अग्रिम सूचना के सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। महिला ने इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस मोना भट्ट ने सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर, बी.भैया, सहायक इंजीनियर चंद्रेश पटेल, फेनील मेहता और मयूर पटेल के खिलाफ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

सत्यनारायण नगर सोसाइटी के प्लॉट नंबर १६ और १७ पर पक्के घर बनाकर रहने वाली साधनाबेन ईश्वरभाई बडगुजेरे ने अपने वकील निमिष एम. कापडिया के माध्यम से हाईकोर्ट में विशेष सिविल एप्लीकेशन दाखिल किया। उन्होंने हाईकोर्ट में यह याचिका पेश की कि वह वडोदरा के सत्यनारायण सोसाइटी में अपने पति और एक दिव्यांग बच्चे सहित दो बच्चों के साथ रहती थीं। वर्ष २०२१ में उन्होंने दोनों प्लॉट खरीदे थे और उनका नाम एस.एम.सी. के टैक्स बिल में दर्ज कराया था। उन्होंने पानी कनेक्शन की फ्री भुगतान की और बिजली कनेक्शन भी लिया था। एक साल पहले, लगभग ६३४ स्क्वायर फीट के क्षेत्र में ९.५ लाख रुपये खर्च करके घर की नवीनीकरण भी करवाई थी, जिसकी वर्तमान कीमत लगभग ३० लाख रुपये है।

इसके बाद, बिना किसी नोटिस के, अक्टूबर २०२३ में उधना जोन के अधिकारी ने परिवार को घर से बाहर निकाल दिया और उनका सामान फेंकते हुए घर का डिमोलिशन कर दिया। इस कारण, महिला ने पुलिस शिकायत और विभिन्न सक्षम अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उन्होंने हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दायर की। उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि उनका घर फिर से बनवाया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने सभी जिम्मेदार अधिकारियों से ४५ लाख रुपये का मुआवजा भी मांगा है।

वेसु में विवाहित महिला को शादी का झांसा देकर बलात्कार किया, ६४ लाख रुपये ठगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेसु इलाके में रहने वाली एक विवाहित महिला को वडोदरा के एक धोखेबाज व्यापारी से मिलना भारी पड़ गया। उसने महिला को अपने व्यापार में पार्टनर बनाने और शादी का झांसा देकर बार-बार पैसे ऐंठे। विवाह का वादा कर बलपूर्वक शारीरिक संबंध बनाए और बलात्कार किया। बाद में उसने शादी से इनकार कर दिया और कुल ६४.६१ लाख रुपये हड़प लिए। पीड़िता ने इस मामले में वेसु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है।

वेसु इलाके में रहने वाली इस विवाहित महिला का पति काफी समय पहले घर छोड़कर चला गया था, जिससे वह अपने परिवार के साथ वेसु में रह रही थी। इस बीच, शादी डॉट कॉम ऐप के जरिए महिला की मुलाकात सुरेश मोहनदास लाडवाणी से हुई। सुरेश ने खुद को एक बड़े कपड़ा व्यापारी के रूप में पेश किया। उसने महिला को शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। सुरेश ने महिला को मुंबई के विभिन्न होटलों में ले जाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही अपने बिजनेस में निवेश के नाम पर पिछले ४ सालों में महिला से ६४.६१ लाख रुपये ठग लिए।

सूरत में कैफे की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट, देह व्यापार करने वाले ग्राहक और दलाल गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में जब से वरिवावी बाजार बंद हुआ है, तब से विभिन्न जगहों पर अवैध देह व्यापार के कारोबार बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में सरथाणा में वजचौक के पास इम्पेरिया बिल्डिंग में पहले माले पर 'द हार्ट सेलिब्रेशन एंड फूड कैफे' में ५०० रुपये में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है।

सरथाणा पुलिस ने देह व्यापार में शामिल ग्राहक और दलाल सहित २ लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि मालिक को वांटेड घोषित किया गया है। ६ तारीख को दोपहर में सरथाणा पुलिस ने सूचना के आधार पर वजचौक के पास इम्पेरिया बिल्डिंग में 'द हार्ट सेलिब्रेशन एंड फूड कैफे' में छापा मारा। छापेमारी के दौरान कैफे में दो केबिन बनाए गए थे। पुलिस द्वारा जांच करने पर एक युवक और युवती आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। पुलिस ने ग्राहक पंकज बावड़फाड़ को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे केबिन में एक और ग्राहक अकेला बैठा था। पुलिस की पूछताछ में महिला ने बताया कि स्पा का मालिक धर्मेश शिरोया है।

मसाज पार्लर के नाम पर अवैध धंधा चल रहा था। सरथाणा पुलिस ने स्पा में काम कर रहे दलाल विपुल मनसुख सावालिया और ग्राहक पंकज जेराम बावड़फाड़ के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है, जबकि स्पा मालिक धर्मेश उर्फ लंबू जयसुख शिरोया को वांटेड घोषित कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर में धारा ३७० को फिर से लागू करने का प्रस्ताव रखने पर पाटिल ने कहा

कांग्रेस को संविधान तोड़ना पसंद है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनने के बाद धारा ३७० को फिर से लागू करने के लिए एक प्रस्ताव रखा गया है, जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल भड़क उठे हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि नेशनल कांग्रेस संविधानिक निर्णय को तोड़ना चाहती है। जो नेता हाथ में संविधान लेकर बात करते हैं, वही संविधान के निर्णय का सम्मान नहीं करते।

आतंकी हमलों में ७० प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। राज्य सरकार विकास के कार्य करने के बजाय संविधानिक रूप से लिए गए निर्णय को तोड़ने का प्रयास कर रही है, और कांग्रेस इसका समर्थन कर रही है। कांग्रेस और नेशनल कांग्रेस का असली चेहरा लोगों के सामने आ गया है। जो धारा ३७० हटाई गई है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी रूप से उचित माना है, उसे कोई दोबारा लागू नहीं कर सकता, यह मैं कहना चाहता हूं।

पाटिल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धारा ३७० का प्रस्ताव रखा गया है। इस पर कहना चाहूंगा कि नेशनल कांग्रेस ने पहली बार संविधान के अनुसार शपथ ली है, लेकिन संसद में संविधान के आधार पर जो निर्णय लिया गया उसे रद्द करना चाहती है। ३७० हटाए जाने के बाद कश्मीर के लोगों को भी लग रहा है कि उन्हें सही मायने में स्वतंत्रता मिली है। कांग्रेस के नेता हाथ में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, तो नेशनल कांग्रेस धारा ३७० के मुद्दे पर समर्थन क्यों कर रही है? कांग्रेस हमेशा से संविधान को तोड़ने का काम करती आई है।

सेलवास में आवारा जानवरों को गोशाला में भेजा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सेलवास शहर में आवारा जानवरों की समस्या को हल करने के लिए आखिरकार प्रशासन द्वारा कदम उठाए गए हैं। शहर की सड़कों पर बार-बार दिखने वाले आवारा गायों और बैल के कारण ट्रैफिक में रुकावट आ रही थी और लोगों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ रहा था। इस समस्या को सुलझाने के लिए प्रशासन और गौसेवा संस्थाओं द्वारा मिलकर एक व्यवस्था बनाई गई, और आवारा जानवरों को इकट्ठा कर गोशाला में भेजा गया है।

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

9879141480

National Rights Group
krantisamay@gmail.com